पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

ऐश ने फिर दिखाया जलवा

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 73 ■ सोमवार 25 मई 2026 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A.
Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe

अंबरनाथ में नाला सफाई का काम शुरू

■ शहर में 7 बड़े, 15 छोटे नालों पर 50 लाख खर्च किए जाएंगे

अंबरनाथ. अंबरनाथ नपा की जनरल बॉडी मीटिंग में नाला सफाई के विषय को मंजूरी ना मिलने से शहर में नाला सफाई शुरू नही हुई थी. बारिश भी अगले महिने से शुरू हो सकती है. इसलिए प्रशासन ने ये काम वार्षिक मंजूर दर से करने का निर्णय लिया है. 50 लाख रुपए नाला सफाई पर खर्च किया जाएगा. शुक्रवार से शहर में नाला सफाई की शुरूआत हो गई है. नाला सफाई के लिए 5 जोन बनाए गए हैं. जिसके लिए 50 लाख रुपए से ज्यादा रकम खर्च होगा. ऐसा अंदाज लगाया जा रहा है. लेकिन संबंधित विभाग को सूचना दी गई है कि वह 50 लाख के अंदर नाला सफाई के कार्य का निपटारा करे. शहर पूर्व और पश्चिम में 7 बजे और 15 छोटे नाले हैं. जिसके लिए नपा ने निविदा सूचना निकाला था. जिसमें ये शर्त रखी गई थी कि जिस ठेकेदार के पास 4 जेसीबी, 4 पोकलेन और 4 डंपर होगा, वह ठेकेदार ही ये ठेका ले सकता है, जिसका विरोध आरपीआई आठवले गुट द्वारा किया गया. बाद में कुछ ठेकेदारों ने भी इसका विरोध किया. आखिर वार्षिक मंजूर दर से नाले सफाई का काम शुरू कर दिया गया है. टेंडर प्रक्रिया नहीं होने से ये पता नहीं चला है कि किस ठेकेदार ने इस कार्य को लिया है. ठेकेदार से ये भी कहा गया है कि नालासफाई करने के बाद नाले से निकाला गया कचरा डंपर से उठाकर डंपिंग मैदान तक ले जाकर फेंका जाए. देखना है कि ठेकेदार इस शर्त को कहां तक पूरा करता है.

जर्जर इमारतों ने बढ़ाई दहशत

हादसे मानसून में स्लैब-दीवार और इमारतों के कुछ हिस्सों के गिरने की होती हैं घटनाएं

■ उल्हासनगर मनपा ने मानसून से पहले स्ट्रक्चरल इंस्पेक्शन की अपील की

■ 10 साल से ज़्यादा पुरानी इमारतों में रहने वाले तुरंत स्ट्रक्चरल ऑडिट करवाएं

उल्हासनगर. मानसून शुरू होते ही उल्हासनगर में पुरानी और जर्जर इमारतों की वजह से लोगों की सुरक्षा का मुद्दा फिर से सामने आ गया है। पिछले कुछ सालों में स्लैब गिरने, दीवार गिरने और इमारतों के कुछ हिस्सों के अचानक गिरने की कई घटनाएं हुई हैं, जिससे हादसे हुए हैं। प्रशासन ने साफ किया है कि 10 साल से ज़्यादा पुरानी इमारतों में रहने वाले लोग तुरंत स्ट्रक्चरल ऑडिट करवाएं और इमारत की सुरक्षा की जांच करें, नहीं तो लापरवाही से बड़ी जान का नुकसान हो सकता है।

महानगर पालिका की तरफ से जारी अपील के मुताबिक, मनपा के पैनल पर ऑथराइज़्ड स्ट्रक्चरल इंजीनियरों से शहर की पुरानी इमारतों का स्ट्रक्चरल इंस्पेक्शन करवाना और उसकी रिपोर्ट संबंधित वार्ड कमेटी ऑफिस में जमा करवाना ज़रूरी है। खतरनाक और बहुत ज़्यादा खतरनाक इमारतों की लिस्ट और ऑथराइज़्ड इंजीनियरों के नाम मनपा की वेबसाइट पर मौजूद हैं। प्रशासन ने यह भी कहा है कि लोग बिना समय बर्बाद किए इंस्पेक्शन करवा लें क्योंकि आने वाले मानसून में भारी बारिश की वजह से पुरानी इमारतों पर ज़्यादा दबाव पड़ने की संभावना है।

टोल-फ्री नंबर 18002331101 जारी

महानगर पालिका का 24 घंटे का इमरजेंसी कंट्रोल रूम 0251-2720143/2720149 पर लोगों के लिए उपलब्ध है; साथ ही टोल-फ्री नंबर 18002331101 पर भी। कमिश्नर मनीषा अव्हाले ने लोगों से अपील की है कि वे अपने आस-पास की बिल्डिंग्स पर नज़र रखकर होने वाले हादसों को रोकने की पहल करें।

हादसे के गंभीर संकेतों को अनदेखा न करें...

प्रशासन ने कुछ गंभीर संकेतों के बारे में भी बताया है कि कोई बिल्डिंग खतरनाक हो गई है। खंभे, बीम या स्लैब मुड़े हुए दिखना, लोहे की सलाखें निकलना, प्लास्टर उखड़ना, दीवारों में बड़ी दरारें दिखना, ग्राउंड फ्लोर का गिरता हुआ महसूस होना या बिल्डिंग से अजीब आवाजें आना, किसी संभावित हादसे के गंभीर संकेत माने जाते हैं। ऐसे में लोगों से अपील की गई है कि वे तुरंत संबंधित बिल्डिंग खाली कर दें और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के इमरजेंसी मैनेजमेंट रूम में संपर्क करें।

मानसून को देखते हुए, शहर में 10 साल से पुरानी बिल्डिंग्स में रहने वाले लोग बिना किसी लापरवाही के तुरंत स्ट्रक्चरल इंस्पेक्शन करवा लें। अगर बिल्डिंग में दरारें, स्लैब का ढीला होना, रॉड का बाहर निकलना या कोई और खतरनाक लक्षण दिखे, तो उन्हें तुरंत घर खाली कर देना चाहिए और नगर निगम से संपर्क करना चाहिए।

– **मनीषा आव्हाले**, कमिश्नर, उल्हासनगर नगर निगम

कीचड़ से बहता पानी पीकर जताई नाराजगी

उल्हासनगर. जहां लोगों को पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है, वहीं उल्हासनगर में हजारों लीटर पानी सड़क पर बह रहा है। पैनल नंबर 17 में पानी लीकेज की समस्या के खिलाफ समाजसेवी राधाकृष्ण साठे ने सीधे कीचड़ से बह रहा गंदा पानी पीकर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ कड़ा विरोध जताया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों में गुस्सा फूट पड़ा है।

पैनल नंबर 17 के इलाके में कई दिनों से पानी लीकेज हो रहा है। हजारों लीटर पानी सड़क पर बहने से लोगों में गुस्सा है। चूंकि इस तरह खुलेआम पानी बर्बाद हो रहा है, जबकि शहर के कई हिस्सों में पानी की कमी की समस्या गंभीर है, इसलिए प्रशासन के काम पर सवाल उठ रहे हैं।

कालानी ने की सिंधी व्यापारियों की मदद

■ व्यापारी डिप्टी चीफ मिनिस्टर से मिले

उल्हासनगर. डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे कोल्हापुर, अंबरनाथ और पचोरा में सिंधी व्यापारियों की टूटने वाली दुकानों की मदद के लिए पहुंचे हैं। पूर्व MLA पप्पू कलानी ने शिंदे से इन व्यापारियों की समस्याओं और डर के बारे में मदद करने की रिक्वेस्ट की थी, जिसके बाद डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे ने मशीनरी को इन्फॉर्म करने के बाद इन तीनों शहरों की 339 दुकानों को सेफ कर दिया है।

पप्पू कलानी उल्हासनगर में MP डॉ. श्रीकांत शिंदे के पब्लिक रिलेशन ऑफिस में बैठकर सिविक मामलों को देखते हैं। इस बीच, कोल्हापुर, अंबरनाथ और पाचोरा के सिंधी व्यापारियों ने MP ऑफिस में पप्पू कालानी से मुलाकात की और कहा कि कोल्हापुर गांधीनगर ग्राम पंचायत की 204 दुकानें, अंबरनाथ शिव मार्केट की 50 दुकानें और पचोरा की 85 दुकानें तोड़ने की शुरूआत होने वाली है. इस समय शिवसेना पार्षद महेश सुखरामानी, जमनू पुरसवानी, शिवसेना के मनोज लासी, कमलेश निकम मौजूद थे।

इसके बाद पप्पू कालानी, मेट्रोपॉलिटन चीफ राजेंद्र चौधरी, महेश सुखरामानी, जमनू पुरसवानी, कमलेश निकम, शिवाजी रगड़े ने डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे, MP डॉ. श्रीकांत शिंदे से मुलाकात की और उनसे कोल्हापुर, अंबरनाथ और पचोरा के सिंधी व्यापारियों की दुकानें बचाने की रिक्वेस्ट की। डिप्टी चीफ मिनिस्टर ने संबंधित अधिकारियों से बातचीत की फिर डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे ने इस शहर के संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया और उन्हें आदेश दिया कि जब तक वे व्यापारियों की बात नहीं सुन लेते और अपनी रिपोर्ट नहीं भेज देते, तब तक इन दुकानों के खिलाफ कोई कार्रवाई न करें। इसलिए, इन तीनों शहरों के व्यापारियों की दुकानें सुरक्षित हो गई हैं और उन्होंने डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे और MP डॉ. श्रीकांत शिंदे को धन्यवाद दिया है।

शिवसेना में शामिल होने की सच्ची खुशी

हमें BJP छोड़कर शिवसेना में शामिल होने की सच्ची खुशी है। डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे संवेदनशील हैं और तुरंत फैसले लेते हैं और न्याय दिलाते हैं। इसीलिए कोल्हापुर और अंबरनाथ में व्यापारियों की दुकानें सुरक्षित रही हैं, ऐसा कॉर्पोरेटर महेश सुखरामानी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया। इस मौके पर पप्पू कालानी, मेट्रोपॉलिटन चीफ राजेंद्र चौधरी, स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन कलवंतसिंह (बिट्टू) सहोता, सीनियर कॉर्पोरेटर राजेंद्रसिंह भुल्लर महाराज, जमनू पुरसवानी, आकाश चक्रवर्ती, कमलेश निकम, मनोज लासी, नरेंद्र कुमारी ठाकुर, अजीत माखीजानी, शिवाजी रागड़े और अन्य लोग मौजूद थे।

व्यापारिक शहर में फायर सेफ्टी की अनदेखी

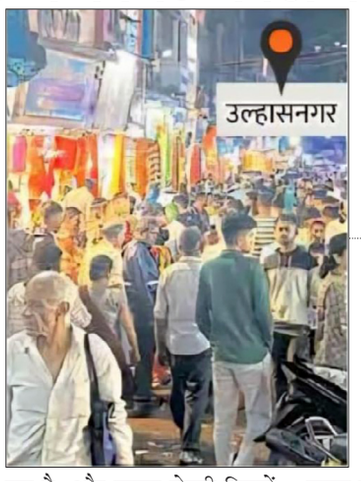

उल्हासनगर. उल्हासनगर राज्य के सबसे बिज़ी कमर्शियल शहरों में से एक माना जाता है। शहर के मेन मार्केट, कपड़ों की बड़ी दुकानें, वेयरहाउस, फर्नीचर मार्केट, इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम और तंग गलियों में मौजूद हज़ारों बिज़नेस दिन-ब-दिन बढ़ रहे हैं। लेकिन, इस बढ़ोतरी के साथ ही फायर सेफ्टी का मुद्दा भी उतना ही गंभीर हो गया है।

शहर के गजानन मार्केट, गोलमैदान मार्केट, जींस मार्केट, फर्नीचर मार्केट में दिन भर भीड़ रहती है। कई बिल्डिंग पुरानी हैं, और उनमें बिजली की वायरिंग की हालत बहुत खतरनाक है। कुछ जगहों पर दुकानों में बड़ी मात्रा में आग पकड़ने वाला सामान रखा जा रहा है, और फायर सेफ्टी नियमों को नज़रअंदाज़ किया जा रहा है। अगर कपड़ों के वेयरहाउस, प्लास्टिक मटीरियल, केमिकल इस्तेमाल करने वाले बिज़नेस और फर्नीचर मार्केट में आग लग जाए, तो कुछ ही पलों में हालात काबू से बाहर हो सकते हैं।

ऑडिट की ज़रूरत

अब नागरिकों और सोशल एक्टिविस्ट की तरफ से यह मांग बढ़ रही है कि म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन शहर की सभी कमर्शियल बिल्डिंग्स का फायर सेफ्टी के लिए तुरंत ऑडिट करे, नियमों को तोड़ने वालों पर सख्त एक्शन ले, और व्यापारियों के लिए फायर सेफ्टी अवेयरनेस कैंपेन भी चलाए।

टंकियों में लीकेज से हजारों लीटर पानी बर्बाद

■ नागरिकों की शिकायत के बाद मरम्मत का काम शुरू

उल्हासनगर. शहर को पानी सप्लाई करने वाली पानी की टंकियों में लीकेज के कारण हजारों लीटर पानी बर्बाद होने की चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। इस घटना के बाद जल आपूर्ति विभाग जागा है और मरम्मत का काम शुरू किया गया है।

उल्हासनगर के लोगों को बराबर पानी मिले, इसके लिए मनपा ने एलिवेटेड और अंडरग्राउंड पानी की टंकियां बनवाई हैं। शहर में पानी का लीकेज रोकने के लिए अमृत योजना के पहले और दूसरे फेज के तहत 500 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए गए। इस फंड से एलिवेटेड पानी की टंकियां, अंडरग्राउंड पानी की टंकियां और बूस्टर पंप बनाए गए। हालांकि, 500 करोड़ रुपये की भारी रकम खर्च करने के बाद भी पानी की कमी दूर नहीं हुई है।

शहर में कुल 22 एलिवेटेड पानी की टंकियां हैं। इनमें नेताजी गार्डन की पानी की टंकी, स्विमिंग पूल के पीछे की पानी की टंकी, चोपड़ा कोर्ट की पानी की टंकी और बालकजी बाड़ी की पानी की टंकी लीक होने लगी हैं। हर दिन हज़ारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा था। स्थानीय नागरिकों ने बार-बार नगर निगम से शिकायत की थी। उसके बाद प्रशासन जागा और मरम्मत का काम शुरू किया।

मानसून को देखते हुए, शहर में 10 साल से पुरानी बिल्डिंग्स में रहने वाले लोग बिना किसी लापरवाही के तुरंत स्ट्रक्चरल इंस्पेक्शन करवा लें। अगर बिल्डिंग में दरारें, स्लैब का ढीला होना, रॉड का बाहर निकलना या कोई और खतरनाक लक्षण दिखे, तो उन्हें तुरंत घर खाली कर देना चाहिए और नगर निगम से संपर्क करना चाहिए।

– **मनीषा आव्हाले**, कमिश्नर, उल्हासनगर नगर निगम

सोसायटी में गबन करने का मामला दर्ज

उल्हासनगर. उल्हासनगर-3 परिसर स्थित एक बिल्डिंग की सोसायटी में गबन का मामला प्रकाश में आया है. पुलिस ने सोसायटी के सचिव और कोषाध्यक्ष के खिलाफ मामला दर्ज किया है. सोसायटी के अन्य सदस्यों को विश्वास में लिए बिना एक सुरक्षा गार्ड के नाम पर म्यूचुअल चेक के माध्यम से पैसे निकालकर सोसायटी से लगभग 58,900 रुपए का गबन किया. चोपड़ा कोर्ट के समीप शालू सोसायटी के सचिव अजय रोहरा और कोषाध्यक्ष अनिल धीरवानी ने सोसायटी के सदस्यों को विश्वास में लिए बिना, भवन के रखरखाव और खर्चों के लिए जमा की गई राशि को सोसायटी के सुरक्षा गार्ड निरंजन कुमार शमनारायण मिश्रा और अन्य के खातों में स्थानांतरित कर दिया.

नागरिकों को अच्छी सुविधाएं देने पर ध्यान दें

■ मनपा आयुक्त ने दिए निर्देश

उल्हासनगर. यहां के नागरिकों को बेहतर क्वालिटी और तुरंत हेल्थ सेवाएं मिलें, यह पक्का करने के लिए प्रशासन अब खुद मैदान में उतर गया है। मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने खुद शहर के अलग-अलग शहरी हेल्थ सेंटर का दौरा किया और हेल्थ सिस्टम का पूरी तरह से रिव्यू किया। साफ-सफाई, दवाइयों का स्टॉक, लैबोरेटरी सेवाएं और जच्चा-बच्चा हेल्थ सुविधाओं का निरीक्षण करने के बाद, उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तुरंत सुधार करने के साफ निर्देश दिए।

मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने उल्हासनगर मनपा के अधिकार क्षेत्र में आने वाले अलग-अलग शहरी प्राइमरी हेल्थ सेंटर का दौरा करते हुए हेल्थ सेवाओं के लागू होने का सीधा निरीक्षण किया। इस दौरे के दौरान, सेंटर में साफ-सफाई सिस्टम, दवाओं का उपलब्ध स्टॉक, मरीज़ों के रिकॉर्ड, लैबोरेटरी सेवाएं, जच्चा-बच्चा हेल्थ सुविधाओं के साथ-साथ अलग-अलग नेशनल हेल्थ प्रोग्राम के लागू होने का डिटेल में रिव्यू किया।

इस मौके पर, कमिश्नर ने हेल्थ स्टाफ से बातचीत की और नागरिकों को ज़्यादा अच्छी, आसान और समय पर हेल्थ सेवाएं देने के निर्देश दिए। उन्होंने सेंटर की जगह को साफ रखने, ज़रूरी रिकॉर्ड अपडेट रखने और यह पक्का करने पर खास ज़ोर दिया कि मरीज़ों को किसी भी तरह की परेशानी न हो। विज़िट के दौरान सिविल प्राइमरी हेल्थ सेंटर नंबर 1, सिविल हेल्थ एनहांसमेंट सेंटर मालगी स्टेज, मोहनदास गिडवानी सेंटर, साथ ही सिविल प्राइमरी हेल्थ सेंटर नंबर 4 और 5 का इंस्पेक्शन किया गया।

इस मौके पर डिप्टी कमिश्नर (मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट) अनंत जवादवार, मेडिकल हेल्थ ऑफिसर डॉ. मोहिनी धर्मा और संबंधित मेडिकल ऑफिसर और स्टाफ मौजूद थे। दवाओं की सप्लाई और लोगों को दी जाने वाली सर्विसेज़ के बारे में जानकारी ली गई। संबंधित ऑफिसर्स को कुछ सेंटर्स में तुरंत ज़रूरी सुधार करने के निर्देश दिए गए।

ठाणे जिले में 53.14 फीसदी SIR मैपिंग

ठाणे. ठाणे जिले में एक स्पेशल इन-डेप्थ री-इंस्पेक्शन (SIR) प्रोग्राम की घोषणा की गई है और 20 मई तक जिले में सिर्फ़ 53.14 परसेंट मैपिंग (वोटर जानकारी का मिलान) ऑनलाइन की गई है। सबसे ज़्यादा मैपिंग शहापुर चुनाव क्षेत्र में और सबसे कम मैपिंग ओवला माजीवडा चुनाव क्षेत्र में की गई है।

बुधवार को ठाणे जिला कलेक्टर ऑफिस के कमेटी हॉल में जिला कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल की अध्यक्षता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला कलेक्टर डॉ. पांचाल ने जिले में वोटरों की मौजूदा संख्या, पोलिंग स्टेशनों की बनावट और आने वाले रिवीजन प्रोग्राम के अलग-अलग फेज़ के बारे में डिटेल में जानकारी दी।

ठाणे जिले में कुल वोटर्स की संख्या 74 लाख 72 हज़ार 270 है। इसमें से पुरुष वोटर्स की संख्या 39 लाख 56 हज़ार 586 और महिला वोटर्स की संख्या 35 लाख 14 हज़ार 218 है।

इसके अलावा, जिले में 1,466 अन्य वोटर्स, 1,116 NRI वोटर्स, 2,5,329 युवा वोटर्स (18-19 साल के), 40,082 दिव्यांग वोटर्स और 52,220 सीनियर सिटिज़न्स (85 साल और उससे ज़्यादा उम्र के) रजिस्टर्ड हैं।

146-ओवला मजीवडा 5,72,958 वोटर्स के साथ जिले का सबसे ज़्यादा वोटर्स वाला चुनाव क्षेत्र बना है, जबकि सबसे कम वोटर्स 141-उल्हासनगर चुनाव क्षेत्र में 2,94,314 वोटर्स हैं।

जिले के कुल वोटर्स में से 39,70,821 वोटर्स की मैपिंग पूरी हो चुकी है। डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने साफ किया कि 35,149 वोटर्स की मैपिंग अभी बाकी है।

सबसे ज़्यादा एवरेज 79.91 परसेंट की मैपिंग शाहपुर चुनाव क्षेत्र में हुई, जबकि सबसे कम एवरेज 43.76 की मैपिंग ओवला माजीवडा चुनाव क्षेत्र में हुई।

आने वाले स्पेशल इन-डेप्थ रिव्यू प्रोग्राम के शेड्यूल के बारे में बताते हुए डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने कहा कि इस प्रोग्राम के लिए क्वालिफाइंग डेट 1 अक्टूबर है। इस कैंपेन की तैयारी, कर्मचारियों की ट्रेनिंग और ज़रूरी प्रिंटिंग का काम 20 जून से 29 जून के बीच पूरा कर लिया जाएगा। उसके बाद, पोलिंग स्टेशन लेवल के ऑफिसर यानी BLO 30 जून से 29 जुलाई तक वोटर्स के घर जाकर पर्सनल विज़िट करेंगे।

इस हाउस विज़िट के दौरान, हर वोटर को 'एन्यूमरेशन फॉर्म' की दो कॉपी दी जाएंगी, जिसकी एक कॉपी BLO वोटर या परिवार के मुखिया के साइन के साथ लेगा और दूसरी कॉपी वोटर को एक्नॉलेजमेंट के तौर पर दी जाएगी।

एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोसेस के मुताबिक, 29 जुलाई तक पोलिंग स्टेशन ठीक कर दिए जाएंगे और 5 अगस्त को वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट पब्लिश किया जाएगा। उन्होंने यह भी साफ किया कि नागरिक 5 अगस्त से 4 सितंबर के बीच अपने दावे और आपत्तियां फाइल कर सकते हैं, जबकि इन सभी दावों और एक्शन को निपटाने का प्रोसेस 3 अक्टूबर तक पूरा कर लिया जाएगा।

सभी प्रोसेस पूरे होने के बाद, ठाणे जिले की फाइनल वोटर लिस्ट 7 अक्टूबर को ऑफिशियली पब्लिश की जाएगी। जिन वोटर्स की जानकारी पिछले डेटाबेस या 2002 की वोटर लिस्ट से मैच नहीं करती है, उन्हें वोटर रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स द्वारा हियरिंग नोटिस दिया जाएगा और ऐसे वोटर्स को अपने जन्म के साल की कैटेगरी (यानी 1 जुलाई, 1987 से पहले या बाद का) के हिसाब से बर्थ सर्टिफिकेट, पासपोर्ट, एजुकेशनल सर्टिफिकेट, आधार कार्ड या कास्ट सर्टिफिकेट जैसे जरूरी ऑफिशियल डॉक्यूमेंट्स जमा करने होंगे। डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने जिले के सभी नागरिकों और एलिजिबल वोटर्स से अपील की कि वे वोटर लिस्ट को और ज्यादा एक्यूरेट, ट्रांसपेरेंट और कॉम्प्रिहेंसिव बनाने के लिए इस प्रोसेस में एडमिनिस्ट्रेशन का पूरा कोऑपरेट करें।

लव अफेयर व शादी के बाद पत्नी गायब

पति ने ससुवाल वालों पर लगाया पत्नी को गायब करने का आरोप

■ मानपाड़ा पुलिस में मामला दर्ज

■ समाज के विरुद्ध दोनों ने की कोर्ट में शादी

■ आठ वर्षों के प्रेम संबंध के बाद की शादी

कल्याण. डोंबिवली में आठ साल के लव अफेयर के बाद कोर्ट मैरिज करने वाले एक युवक की पत्नी और उसके परिवार के अचानक गायब होने की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। पति ने इस मामले में मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस आगे की जांच कर रही है। डोंबिवली के ओमकार बंसोडे और शिवानी किंगरे के बीच पिछले आठ साल से लव अफेयर था। दोनों ने कुछ दिन पहले कल्याण कोर्ट में अपनी शादी रजिस्टर की थी। हालांकि, शिवानी के परिवार वाले शुरू में इस शादी के खिलाफ थे। बताया जा रहा है कि ओमकार के दूसरे समुदाय से होने की वजह से परिवार वाले परेशान थे। ओमकार का कहना है कि कोर्ट मैरिज की जानकारी मिलने के बाद शिवानी के परिवार वालों ने शादी के लिए अपनी सहमति दे दी थी। साथ ही, दोनों परिवारों ने डोंबिवली में एक हॉल भी देखा, जिसमें सामाजिक तरीके से दोबारा शादी करने का वादा किया गया था। बताया जा रहा है कि हॉल के लिए ओमकार ने एडवांस भी पैसे दिए थे। इसके बाद शिवानी के परिवार वाले कुछ शर्तें बताकर शिवानी को कुछ दिनों के लिए घर ले गए। हालांकि, उसके बाद शिवानी, उसके परिवार वालों और उनके मोबाइल फोन अचानक बंद हो गए। कई जगहों पर उसे ढूंढने के बाद भी उससे कॉन्टैक्ट न होने पर ओमकार ने मनपाड़ा पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की कंप्लेंट दर्ज कराई। इस शिकायत के बाद, मनपाड़ा पुलिस शिवानी और उसके परिवार वालों को ढूंढ रही है और पता लगा रही है कि असल में क्या हुआ था। पुलिस जांच के बाद ही मामले की सच्चाई साफ हो पाएगी।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

भीषण गर्मी की चपेट में उत्तर भारत

उत्तर और मध्य भारत के दस से अधिक राज्य इन दिनों भीषण गर्मी से तप रहे हैं। अधिकांश स्थानों पर पारा 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जा पहुंचा है। लोग गर्मी से निजात पाने के लिए मैदानों से पहाड़ की ओर जाते हैं, लेकिन अब कुछ पहाड़ी क्षेत्रों में भी लू चलने जैसी स्थिति पैदा हो गई है। उत्तर प्रदेश के बांदा में जहां अधिकतम तापमान 47 डिग्री को पार कर गया है, वहीं राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में गुरुवार की रात पिछले चौदह वर्षों में सबसे गर्म रही।

बढ़ते तापमान की तपिश ने न केवल आम लोगों की परेशानी बढ़ा दी है, बल्कि इससे कृषि का कार्य भी प्रभावित हो रहा है और कई जगह फसलों को नुकसान हो रहा है। ऐसे में यह समझना जरूरी है कि हर साल मौसम में इतना ज्यादा उतार-चढ़ाव आखिर क्यों हो रहा है। जाहिर है कि यह जलवायु परिवर्तन और बढ़ते वैश्विक ताप का ही नतीजा है, जिससे मौसम का प्राकृतिक चक्र प्रभावित हो रहा है। तापमान का बढ़ना सिर्फ मनुष्य और अन्य जीव-जंतुओं को शारीरिक रूप से ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि इसका असर व्यापक होता है। अत्यधिक गर्मी से प्राकृतिक जलस्रोत सूखने लगते हैं, जिससे पेयजल संकट पैदा हो जाता है। सिंचाई के बिना फसलें बर्बाद हो जाती हैं और कई दफा बुआई का कार्य भी प्रभावित होता है।

यही नहीं, झुलसा देने वाली गर्मी के कारण लोग घरों से कम निकलते हैं और बाजारों की रौनक गायब हो जाती है। नतीजतन व्यापारिक गतिविधियां सुस्त पड़ जाती हैं और इसका सीधा असर अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। गर्मी की सबसे ज्यादा मार गरीब तबकों को ही झेलनी पड़ती है, जिनके पास संसाधनों की कमी होती है। सरकार की ओर से ऐसे लोगों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है।

इस बात पर भी गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए कि आखिर मैदानों के साथ अब पहाड़ भी क्यों तपने लगे हैं। मौसम विज्ञानियों का मानना है कि पहाड़ी क्षेत्रों में वनों की अंधाधुंध कटाई, अवैज्ञानिक तरीके से खनन और पर्यटक वाहनों के बढ़ते दबाव से स्थानीय मौसम चक्र में बदलाव हो रहा है। ऐसे में अगर अब भी हम नहीं संभले, तो निकट भविष्य में इसका परिणाम भयावह हो सकता है।

विमर्श

सवालों के घेरे में शिक्षा और परीक्षा

पिछले दिनों मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की परीक्षा नीट-यूजी का पेपर लीक होने की सूचना मिलते ही सरकार ने उसे रद कर दोबारा कराने का फैसला किया। इससे 22 लाख से अधिक उन छात्रों का घोर निराश होना स्वाभाविक है, जो यह परीक्षा दे चुके थे। उन्हें उसी परीक्षा की दोबारा तैयारी करने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिसे वे दे चुके थे। छात्र प्रतियोगी परीक्षा देने के बाद तनाव मुक्त होकर परिणाम की प्रतीक्षा करते हैं। इस बार उनकी प्रतीक्षा लंबी तो हो ही गई, उन्हें दोबारा परीक्षा की तैयारी भी करनी पड़ी।

किसी भी छात्र के लिए उसी परीक्षा को उसी उत्साह से देना कठिन होता है, जिसे वे दे चुके होते हैं। नीट पेपर लीक मामले से परीक्षा आयोजित कराने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए को इसलिए कठोर निंदा का सामना करना पड़ा, क्योंकि उसकी सजगता में कमी के कारण ही नीट के पेपर लीक हुए। इसके बाद भी यह अच्छा हुआ कि पूरी परीक्षा रद करने का बड़ा फैसला लिया गया, ताकि छात्रों के हितों से खिलवाड़ न होने पाए। यदि इस पेपर लीक मामले का भंडाफोड़ नहीं होता या फिर उसकी अनदेखी की जाती तो लाखों छात्रों के साथ अन्याय हो गया होता।

इस मामले में पेपर तैयार करने वाले शिक्षकों के साथ कुछ कोचिंग केंद्र वाले भी कठघरे में हैं। नीट पेपर लीक की जांच कर रही सीबीआई ने यह पाया कि इस परीक्षा के पेपर कुछ कोचिंग चलाने वालों तक पहुंच गए और फिर उन्होंने देश के कई हिस्सों में उन्हें पहुंचाया और

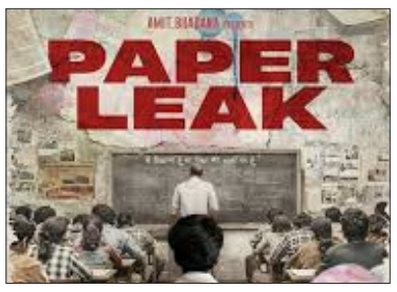

पैसे कमाए। ऐसा लगता है कि कोचिंग माफिया शिक्षा और परीक्षा, दोनों पर हावी हो गया है। ध्यान रहे इसके पहले भी कोचिंग माफिया कई प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक करा चुका है।

बीते दिनों नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्रालय की संसदीय समिति ने शिक्षा सचिव, एनटीए प्रमुख और उसके महानिदेशक सहित शिक्षा मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों को तलब किया। इस दौरान नीट रद होने के प्रकरण को राजनीतिक रंग देने की भी कोशिश की गई। इससे बात बनने वाली नहीं है। संसदीय समिति को तो यह देखना चाहिए कि भविष्य में ऐसी व्यवस्था बने, जिससे एनटीए की किसी भी परीक्षा में सेंध न लगने पाए। वैसे तो शिक्षा मंत्रालय ने एनटीए की व्यवस्था सुधारने के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन उनकी गति धीमी रही।

2024 में नीट में गड़बड़ी सामने आने के बाद एनटीए के कामकाज में सुधार के लिए जिस राधाकृष्णन समिति का गठन किया गया था, उसके सभी सुझावों पर अभी तक अमल नहीं किया जा सका है। अब उन्हें लागू करने की पहल हो रही है। अच्छा हो कि परीक्षाएं आयोजित कराने वाले अन्य संस्थान भी इस समिति की सिफारिशों पर गौर करें, क्योंकि अपने देश में प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने का रिकार्ड बहुत ही शर्मनाक हो गया है। आखिर विकसित देशों में परीक्षाओं के पेपर लीक क्यों नहीं होते? क्या कारण है कि यह बीमारी भारत में ही जड़ें जमाए हुए दिखती है? हम परीक्षाओं के आयोजन में उन तौर-तरीकों का इस्तेमाल क्यों नहीं करते, जो विकसित देशों ने अपना रखे हैं?

एनटीए में सुधार को लेकर गठित राधाकृष्णन समिति ने यह सिफारिश की थी कि गड़बड़ियों से बचने के लिए प्रश्न पत्रों को फिजिकल रूप से केंद्रों तक ले जाने की प्रक्रिया को खत्म किया जाए। इसके बजाय कंप्यूटर आधारित परीक्षा कराई जाए और प्रश्न पत्र डिजिटल रूप से परीक्षा शुरू होने के ठीक पहले परीक्षा केंद्रों पर भेजे जाएं। इस समिति ने नीट को दो चरणों में आयोजित करने का सुझाव दिया था। पहला चरण स्क्रीनिंग टेस्ट का और दूसरा चरण मुख्य परीक्षा का। इस समिति ने यह पाया था कि एनटीए आउटसोर्सिंग और संविदा कर्मचारियों पर अधिक निर्भर है। इसे देखते हुए उसने सिफारिश की थी कि एनटीए में स्थायी विशेषज्ञों की भर्ती की जाए। इन सिफारिशों के अनुरूप परीक्षा कराने से पेपर लीक कराने वालों और खासकर कोचिंग माफिया को परीक्षा में सेंध लगाने का अवसर नहीं मिलेगा।

आइए हम अपने दिलों में शांति का दीया जलायें और उसका प्रकाश दूसरों तक भी फैलायें।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

होर्मुज संकट के बीच बढ़ी ऊर्जा चिंता

ईरान पर अमेरिका और इजराइल के साझा हमले के बाद समूचे मध्यपूर्व के इलाके में जैसे जटिल हालात पैदा हुए हैं, उसका स्वाभाविक असर वैश्विक पैमाने पर ऊर्जा की आपूर्ति पर पड़ा। हालांकि जब दोनों पक्षों के बीच चौदह दिनों के युद्धविराम की घोषणा हुई थी, तब उम्मीद जगी थी कि अब शायद ईरान होर्मुज जलमार्ग को भी खोल दे और कच्चे तेल तथा प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बहाल हो। मगर उसके बाद ईरान और अमेरिका के बीच हुई शांति वार्ता नाकाम रही और इसी के साथ होर्मुज जलमार्ग की बहाली की उम्मीद एक बार फिर मंद पड़ गई।

आज हालत यह है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने का जिन देशों पर ज्यादा असर पड़ा है, वे अब ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर विचार कर रहे हैं। गौरतलब है कि होर्मुज जलमार्ग बाधित होने के बाद तेल और गैस की व्यापक कमी के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मंत्रिपरिषद की बैठक में कहा कि रसोई गैस के विकल्प के रूप में बायोगैस सहित अन्य वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को हर हाल में बढ़ावा दिया जाए।

दरअसल, होर्मुज जलमार्ग से वैश्विक जरूरत के बीस से पच्चीस प्रतिशत तेल और गैस की आपूर्ति होती है। भारत भी उन देशों में शामिल है,

जिनकी खासी निर्भरता वहां से आने वाले ऊर्जा स्रोतों पर है। यही वजह है कि ईरान ने जब से होर्मुज जलमार्ग से जहाजों की आवाजाही पर रोक लगाई है और उसके बाद अमेरिका ने नाकाबंदी की, तब से देश घरेलू गैस और पेट्रोल-डीजल की व्यापक कमी का सामना कर रहा है।

यों इस बीच सरकार ने रूस से तेल खरीद के रास्ते तैयार करने की कोशिश की, लेकिन अमेरिका के रुख की वजह से उसमें भी कई अड़चनें पेश आ रही हैं। ऐसे में फिलहाल सबसे बेहतर उपाय यही है कि दूसरे देशों पर निर्भरता को कम करने के लिए देश में ही वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का ढांचा तैयार किया जाए। इस लिहाज से देखें तो देश में बायोगैस सहित अन्य ऊर्जा स्रोतों की जमीन मजबूत होती है, तो यह न केवल तात्कालिक स्तर पर समस्या का सामना करने के लिहाज से महत्त्वपूर्ण होगा, बल्कि यह दूरगामी स्तर पर देश के व्यापक हित में होगा।

पश्चिम एशिया में एक ओर अमेरिका के रुख तो दूसरी ओर ईरान के जवाबी रवैये की वजह से न केवल भारत, बल्कि दुनिया के बहुत सारे देशों के सामने संकट धीरे-धीरे गहरा रहा है। शायद इसीलिए अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के कार्यकारी निदेशक ने दुनिया को यह चेतावनी दी है कि अगर होर्मुज जलमार्ग पूरी तरह और बिना किसी शर्त के जल्द नहीं खुला, तो दुनिया जल्दी ही 'रेड जोन' में प्रवेश कर सकती है, जहां तेल आपूर्ति सामान्य मांग को भी संभालने में पूरी तरह असमर्थ हो जाएगी। समस्या यह है कि एक ओर अमेरिका और इजराइल का सामना करने के क्रम में ईरान होर्मुज जलमार्ग को बाधित करने को एक कारगर रणनीति के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है और इसे खोलने के लिए अमेरिका के कदम पीछे हटाने की शर्त रख रहा है।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा हुआ है। इस क्षेत्र में तनाव की वजह से जहाजरानी गतिविधियों में लगातार मुश्किलें आ रही हैं। एक अधिकारी ने बताया कि होर्मुज जलमार्ग में अभी भी 14 भारतीय जहाज फंसे हुए हैं। अधिकारी ने बताया कि अधिकारी होर्मुज और उसके आसपास की सुरक्षा स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं, इसी रास्ते से दुनिया की तेल आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है।

दुनिया की मशहूर टनल ऑफ लव

दुनिया में ऐसी कई जगहें हैं, जो अपनी खूबसूरती और रहस्यमयी कहानियों की वजह से लोगों को आकर्षित

जरा हट के

करती हैं. कहीं ऊंचे पहाड़ लोगों का दिल जीत लेते हैं, तो कहीं झीलों और जंगलों का नजारा पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है. लेकिन एक जगह ऐसी भी है, जिसे खास तौर पर प्यार करने वालों की जगह माना जाता है. कहा जाता है कि यहां आने वाले प्रेमी जोड़ों की किस्मत बदल जाती है. यही वजह है कि इस जगह को "टनल ऑफ लव" यानी प्रेम की सुरंग कहा जाता है.

दरअसल, टनल ऑफ लव असल में कोई पत्थरों या पहाड़ों से बनी सुरंग नहीं है. यह एक रेलवे ट्रैक है, जिसके चारों तरफ घने पेड़ और झाड़ियां मौजूद हैं. समय के साथ इन पेड़ों की शाखाएं आपस में इस तरह जुड़ गईं कि पूरा रास्ता एक प्राकृतिक सुरंग जैसा दिखाई देने लगा. हर मौसम में यह जगह अलग रंग में नजर आती है. गर्मियों में यहां हरियाली की चादर

बिछी रहती है, जबकि पतझड़ के मौसम में पीले और नारंगी पत्ते इसकी खूबसूरती को और बढ़ा देते हैं. यही कारण है कि यह जगह फोटोग्राफरों और नए शादीशुदा जोड़ों के बीच काफी लोकप्रिय है.

यह मशहूर टनल यूक्रेन के रिव्ने इलाके में क्लेवन शहर और ओरजिव गांव के बीच स्थित है. यहां आज भी ट्रेन के लिए ट्रैक मौजूद है और एक मालगाड़ी रोज इस रास्ते से गुजरती है. जब ट्रेन गुजरती है, तो पेड़ों की शाखाएं उससे टकराकर अपने आप एक खास आकार में कटती रहती हैं. इसी वजह से यह रास्ता एक सुंदर प्राकृतिक सुरंग जैसा दिखता है.टनल ऑफ लव को लेकर कई दिलचस्प कहानियां मशहूर हैं. पुरानी कहानियों के अनुसार, बहुत समय पहले यह जगह उन प्रेमी जोड़ों का छिपने का ठिकाना हुआ करती थी, जो अपने प्यार के लिए घर से भाग जाते थे. कहा जाता है कि यहां आने वाले प्रेमियों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं. यही वजह है कि आज भी कपल्स यहां घूमने और फोटोशूट करवाने दूर-दूर से पहुंचते हैं.इस टनल से जुड़ी एक और रोमांटिक कहानी भी काफी मशहूर है. कहा जाता है कि एक युवा पोलिश इंजीनियर क्लेवन की एक लड़की से प्यार करता था. अपनी प्रेमिका तक जल्दी पहुंचने के लिए उसने जंगल के बीच से सीधा रेल मार्ग बनवा दिया. हालांकि इस कहानी के पक्के सबूत नहीं हैं, लेकिन लोग आज भी इसे बड़े दिलचस्प तरीके से सुनाते हैं.

भरवां शिमला मिर्च

खाना-खजाना

सामग्री

- शिमला मिर्च- 4 मध्यम आकार
- उबले हुए आलू- 4
- पनीर- 50 ग्राम
- प्याज- 1 बारीक कटा हुआ
- हरी मिर्च- 2 बारीक कटी हुई
- अदरक-लहसुन का पेस्ट- 1 छोटा चम्मच
- हरा धनिया- बारीक कटा हुआ
- मसाले- आधा छोटा चम्मच हल्दी, 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1 छोटा चम्मच धनिया पाउडर, आधा छोटा चम्मच गरम मसाला, 1 छोटा चम्मच आमचूर पाउडर
- जीरा और हींग- तड़के के लिए
- नमक- स्वादानुसार
- तेल- 3-4 बड़े चम्मच

बनाने की विधि

सबसे पहले शिमला मिर्च को एक चाकू की मदद से शिमला मिर्च के ऊपर के डंठल वाले हिस्से को गोल काट कर निकाल लें। इसके बाद अंदर के सारे बीज और सफेद रेशों को चम्मच की मदद से साफ कर लें. अब एक कड़ाही में एक बड़ा चम्मच तेल गरम करें। तेल गरम होने पर इसमें जीरा और एक चुटकी हींग डालें। फिर इसमें बारीक कटा प्याज, हरी

मिर्च और अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद आंच धीमी करें और हल्दी, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालें। मसालों को कुछ सेकंड के लिए भूनें। अब इसमें मैश किए हुए उबले आलू और कद्दूकस किया हुआ पनीर डालें। सभी चीजों को अच्छी तरह मिलाते हुए 2-3 मिनट तक भूनें। लास्ट में गरम मसाला, आमचूर पाउडर और बारीक कटा हरा धनिया डालकर मिलाएं। आपकी चटपटी स्टफिंग तैयार है। जब आलू का मिश्रण थोड़ा ठंडा हो जाए, तो इसे तैयार की गई शिमला मिर्च के अंदर दबा-दबाकर अच्छी तरह भर दें। इसके बाद उसी कड़ाही में 2 बड़े चम्मच तेल गरम करें और भरी हुई शिमला मिर्च को कड़ाही में सीधा खड़ा करके रख दें। कड़ाही को ढक दें और धीमी आंच पर 2-3 मिनट तक पकने दें। इसके बाद ढक्कन हटाकर शिमला मिर्च को चिमटे की मदद से धीरे से दूसरी तरफ पलट दें। इसे तब तक पकाएं जब तक कि शिमला मिर्च की बाहरी त्वचा हल्की नरम न हो जाए और उस पर हल्के भूरे रंग के निशान न आ जाएं।

बच्चों में हीट स्ट्रोक कितना घातक?

दिखें ये लक्षण तो न करें इग्नोर, इन बातों का रखें खास ध्यान

देशभर में इस समय भीषण गर्मी का असर देखने को मिल रहा है. कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है. वहीं, 25 मई से 2 जून तक नौतपा शुरू होने वाला है, जिसके चलते गर्मी और अधिक बढ़ने की संभावना है. ऐसे में भारत सरकार और स्वास्थ्य विभाग लगातार लोगों को सतर्क रहने और सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं. खासकर, शिशुओं और 5-6 साल के बच्चों की सेहत का खास ख्याल रखें. इन्हें घर से बाहर न निकलने दें. शिशुओं को भी तेज धूप में न ले जाएं. जानें, किस तरह से रखें अपने बच्चे को हीट स्ट्रोक से बचाकर और कैसे नजर

आते हैं बच्चों में हीट स्ट्रोक के लक्षण...

छोटे बच्चों को सबसे ज्यादा खतरा

स्वास्थ्य विशेषज्ञों और नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के अनुसार, नवजात शिशु और छोटे बच्चे हीट स्ट्रोक के प्रति सबसे ज्यादा संवेदनशील होते हैं. तेज गर्मी में थोड़ी सी लापरवाही भी उनकी सेहत पर भारी पड़ सकती है. विशेषज्ञ बताते हैं कि बच्चों का शरीर बहुत जल्दी गर्म हो जाता है और उनमें पसीना भी कम निकलता है. इसकी वजह से शरीर का तापमान तेजी से बढ़ सकता है, जो हीट स्ट्रोक का कारण बनता है.

कपड़ों और साफ-सफाई का रखें ध्यान

विशेषज्ञों का कहना है कि बच्चों को गर्मी में हल्के, ढीले और सूती कपड़े पहनाने चाहिए. ज्यादा कपड़े पहनाने से शरीर की गर्मी बाहर नहीं निकल पाती. इसके अलावा बच्चों को ठंडे पानी से नहलाना या गीले कपड़े से शरीर साफ करना भी फायदेमंद रहता है.

इन लक्षणों को बिल्कुल नजरअंदाज न करें

यदि बच्चा लगातार रो रहा हो, चिड़चिड़ा हो जाए, ज्यादा नींद आए, उल्टी करे, तेज बुखार हो या सांस लेने में परेशानी महसूस हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए. विशेषज्ञों का कहना है कि शिशुओं में हीट स्ट्रोक के लक्षण जल्दी समझ में नहीं आते, इसलिए पेरेंट्स को ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत होती है.

दोपहर में जाने से बचें

डॉक्टरों की सलाह है कि बच्चों को दोपहर 12 बजे से 4 बजे के बीच बाहर न ले जाएं. इस दौरान गर्मी और धूप सबसे ज्यादा होती है, जिससे हीट स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है.

बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी सावधानियां

- गर्मी के मौसम में बच्चों की विशेष देखभाल बेहद जरूरी है. एक्सपर्ट्स के मुताबिक, कुछ आसान उपाय अपनाकर बच्चों को हीट स्ट्रोक से बचाया जा सकता है.
- बच्चों को हमेशा ठंडी और हवादार जगह पर रखें.
- उन्हें तेज धूप या बंद और गर्म कमरे में अकेला न छोड़ें.
- शरीर का तापमान समय-समय पर चेक करते रहें.
- बच्चों को पर्याप्त मात्रा में पानी और अन्य तरल पदार्थ पिलाते रहें.
- छोटे बच्चों को समय-समय पर मां का दूध जरूर पिलाएं.

आज का राशिफल

मेष : नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। नए विचार दिमाग में आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। धनार्जन होगा। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा।

वृषभ : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। दूसरे आपसे अधिक की अपेक्षा करेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है।

मिथुन : मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी।

कर्क : घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। आलस्य हावी रहेगा। प्रमाद न करें। विवेक का प्रयोग करें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

सिंह : नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश मनोनुकूल रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण बनेगा। किसी कार्य के प्रति चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है।

कन्या : व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति की बातों में न आएं।

तुला : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। कोई बड़ा काम करने की इच्छा जागृत होगी। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। प्रमाद न करें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

वृश्चिक : मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। थकान रहेगी। किसी कार्य की चिंता रहेगी।

धनु : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़े काम की रुकावट दूर होगी।

मकर : कीमती वस्तुएं इधर-उधर हो सकती हैं, संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। यात्रा में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

कुंभ : व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। धनहानि की आशंका है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। थकान व कमजोरी रह सकती है।

मीन : नौकरी में रुतबा बढ़ेगा। आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। जीवन सुखमय व्यतीत होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य में राहत मिलेगी। चिंता दूर होगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

चेहरे की चमक अचानक क्यों चली जाती है?

pH बैलेंस में छिपा है बड़ा रहस्य, आने लगते हैं पिंपल

आजकल लोग साफ और ग्लोइंग स्किन पाने के लिए कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करते हैं, लेकिन असली हेल्दी स्किन सिर्फ बाहरी चमक से नहीं पहचानी जाती. त्वचा की सेहत का एक अहम पहलू उसका pH बैलेंस होता है. जब स्किन का pH सही रहता है, तो वह ज्यादा हेल्दी, सॉफ्ट और प्रोटेक्टेड रहती है. लेकिन अगर यह बैलेंस बिगड़ जाए तो स्किन में कई तरह की समस्याएं शुरू हो सकती हैं जैसे रूखापन, जलन, पिंपल्स और सेंसिटिविटी.

pH का मतलब होता है किसी चीज का एसिडिक या अल्कलाइन होना. इसे 0 से 14 के स्केल पर मापा जाता है. 7 को न्यूट्रल माना जाता है, 7 से कम एसिडिक और 7 से ज्यादा अल्कलाइन होता है. वैज्ञानिकों के अनुसार, हमारी त्वचा का प्राकृतिक pH हल्का एसिडिक होता है, जो लगभग 4.5 से 5.5 के बीच रहता है. यही

त्वचा विशेषज्ञ बताते हैं कि अगर चेहरा धोने के बाद स्किन खिंची हुई महसूस हो, बार-बार खुजली हो, या अचानक बहुत ज्यादा ऑयल या ड्राईनेस दिखे, तो यह pH असंतुलन का संकेत हो सकता है. ऐसी स्थिति में सही स्किन केयर रूटीन अपनाना और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी होता है.

लेवल स्किन को बाहर से आने वाले बैक्टीरिया, धूल और प्रदूषण से बचाने में मदद करता है. इस सुरक्षा परत को स्किन बैरियर कहा जाता है, जो त्वचा की नमी को बनाए रखने और उसे नुकसान से बचाने का काम करता है.

जब स्किन का pH संतुलित रहता है तो त्वचा नमी से भरपूर और मुलायम बनी रहती है. लेकिन अगर यह संतुलन बिगड़ जाए, तो स्किन या तो बहुत ज्यादा ड्राई हो जाती है या फिर ऑयली. अक्सर बहुत ज्यादा हार्श साबुन, केमिकल वाले फेसवॉश या बार-बार चेहरा धोने से स्किन के नेचुरल ऑयल कम हो जाते हैं, जिससे त्वचा कमजोर हो सकती है. दूसरी ओर, कुछ लोगों में तेल ज्यादा बनने लगता है, जिससे पिंपल्स और एक्ने की समस्या बढ़ सकती है.

डॉक्टरों के मुताबिक, हमारी लाइफस्टाइल भी स्किन के pH पर असर डालती है. गलत खानपान, नींद की कमी, तनाव और मौसम में बदलाव त्वचा की बैलेंस को बिगाड़ सकते हैं. गर्मियों में पसीना और धूप स्किन को प्रभावित करते हैं, जबकि सर्दियों में त्वचा ज्यादा ड्राई हो जाती है. कई बार लोग बिना सोचे समझे ऐसे प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करते हैं जो उनकी स्किन के लिए सही नहीं होते, जिससे जलन, रेडनेस और खुजली जैसी समस्याएं हो सकती हैं.

आलू को उबालने का तरीका

जब आप आलू उबाल रहे हों तो कुकर के पानी में थोड़ा सा नमक डालना बहुत फायदेमंद होता है, इससे आलू का छिलका अपने आप थोड़ा ढीला हो जाता है और उबालने के बाद आसानी से उतर जाता है. साथ ही आलू का स्वाद भी थोड़ा बेहतर हो जाता है. यह तरीका खासकर बड़े और सख्त आलू के लिए बहुत उपयोगी माना जाता है और काम जल्दी हो जाता है.

आलू उबालने में सही समय और आंच का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है. अगर ज्यादा तेज आंच पर उबालेंगे तो आलू टूट सकते हैं. इसलिए, माध्यम आंच पर धीरे-धीरे उबालने से आलू अंदर तक सही पकते हैं और छिलका भी आसानी से अलग हो जाता है. जब आलू हल्के नरम हो जाएं तभी गैस बंद कर देनी चाहिए इससे उनका स्वाद और टेक्सचर दोनों अच्छे रहते हैं

अगर आप चाहते हैं कि उबले आलू सफेद और साफ दिखें, तो और आलू उबलने के बाद जो कुकर पर निशान आ जाता है. उससे बसहने के लिए उबालते समय पानी में थोड़ा नींबू का रस डाल सकते हैं. इससे आलू का रंग खराब नहीं होता और कुकर भी साफ रहता है, देखने में भी अच्छे लगते हैं. साथ ही छिलका भी थोड़ा ढीला होकर आसानी से निकल जाता है.

अगर आलू ज्यादा देर तक उबल जाएं तो वे टूटने लगते हैं और छीलना मुश्किल हो जाता है.

इसलिए सही समय पर आलू को गैस से उतार लेना चाहिए जब आलू हल्के नरम हों तभी समझ लेना चाहिए कि वे पक गए हैं. इससे आलू का आकार सही रहता है और उनका इस्तेमाल सब्जी या पराठे में आसानी से किया जा सकता है.

आलू उबालते समय सिर्फ 2 बूंद सिरका डालना बहुत असरदार माना जाता है, इससे आलू ज्यादा गलते नहीं हैं और उनका आकार सही बना रहता है. खासकर चाट और सलाद बनाने के लिए यह तरीका काफी उपयोगी है सिरका डालने से आलू फटते भी नहीं हैं और उनका टेक्सचर अच्छा रहता है इससे काम आसान हो जाता है और आलू परफेक्ट उबलते हैं.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

सीडीएस की तैयारी कर रही छात्रा को रिवॉल्वर दिखा कार में 2 बार किया रेप

बरेली. उत्तर प्रदेश के बरेली में सीडीएस की तैयारी कर रही एक छात्रा को रिवॉल्वर के बल पर धमका कर रिश्ते के मामा ने कार में दो बार रेप किया। यही नहीं आरोपी ने छात्रा के अश्लील फोटो भी बना लिए और फिर ब्लैकमेल कर बार-बार उसका यौन शोषण करने लगा। शादीशुदा होने के बावजूद आरोपी छात्रा से शादी करने की जिद पर भी अड़ गया। वह छात्रा के माता-पिता पर इसके लिए दबाव बनाने लगा। उसने छात्रा के पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की शिकायत पर इज्जतनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इज्जतनगर क्षेत्र में रहने वाली छात्रा ने पुलिस को बताया कि वह सीडीएस की तैयारी कर रही है। फरीदपुर निवासी रिटायर्ड फौजी राकेश बाबू उसका रिश्ते का मामा है।

अवैध संबंधों के शक में पत्नी और प्रॉपर्टी डीलर पिता की गोली मारकर हत्या

बुलंदशहर. यूपी के बुलंदशहर में डबल मर्डर से सनसनी फैल गई। कोतवाली खुर्जा नगर की जंक्शन रिपोर्टिंग चौकी क्षेत्र के गांव कलंदरगढ़ी में अवैध संबंधों के शक में क्लीनिक संचालक ने अपने प्रापर्टी डीलर पिता और पत्नी की पिस्टल से गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी ने खुद ही पुलिस को हत्या की सूचना दी। मामले में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। गांव कलंदरगढ़ी निवासी मोमिन गांव सुधेशपुर में क्लीनिक का संचालक है। रविवार की दोपहर अवैध संबंधों के शक में उसने अपने प्रापर्टी डीलर पिता रियाजुद्दीन (48 वर्ष) और पत्नी शना (22 वर्ष) को लाइसेंसी पिस्टल से गोली मार दी। पिता की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पत्नी शना गंभीर रूप से घायल हो गई। गोली मारने की खबर खुद आरोपी ने पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है और घायल शना को जटिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उसे हायर सेंटर रेफर किया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान डॉक्टरों ने शना को भी मृत घोषित कर दिया।

भीषण गर्मी में पत्नी पंखा लगाने की कर रही थी जिद, नाराज पति ने गोली मारकर कर ली खुदकुशी

फर्रुखाबाद. यूपी के फर्रुखाबाद से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है।जहां कायमगंज कोतवाली क्षेत्र में भीषण गर्मी के बीच घरेलू विवाद ने दर्दनाक मोड़ ले लिया। दरअसल, मक्का के खेत में पानी लगाने गए एक किसान ने पत्नी से दूसरे पंखे को लेकर हुए विवाद के बाद तमंचे से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के मुताबिक थाना क्षेत्र के गांव गऊटोला का का रहने वाला 40 वर्षीय किसान युवक महेंद्र भीषण गर्मी के दौरान घर में सिर्फ एक पंखे का इस्तेमाल अपने सोने के समय करता था और उसकी पत्नी विमला अपने तीन बेटे हिमांशु, आर्यन,सुदेश के साथ ही दो बेटियां रेशमा एवं सरिता को भी इस भीषण गर्मी से राहत दिलाने लाने के लिए दूसरा पंखा लाने के लिए जिद कर रही थी। इतने बड़े परिवार में भीषण गर्मी से निजात पाने के लिए एक पंखा पर्याप्त न होने के कारण पिछले दो दिनों से घर में विवाद हो रहा था। इसी को लेकर कल शनिवार शाम काल पति-पत्नी के बीच काफी कहासुनी और विवाद बढ़ गया था।

बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्याओं के डिपोर्टेशन के लिए बनेंगे होल्डिंग सेंटर

- शुभेंदु सरकार का बड़ा ऐलान

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की नई भाजपा सरकार ने अवैध घुसपैठ पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रदेश सरकार ने सभी जिला प्रशासनों को निर्देश दिया है कि अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या प्रवासियों को पकड़ने के बाद उन्हें होल्डिंग सेंटर में रखा जाए और फिर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सौंपा जाए। इससे पहले मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि राज्य में कोई स्थायी 'डिटेंशन कैंप' नहीं बनाए जा रहे हैं, बल्कि निर्वासन प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए अस्थायी हिरासत केंद्र स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारा रुख बिल्कुल साफ है- पहचान करो, सूची से हटाओ और बाहर निकालो।

पता लगाओ, हटाओ और निर्वासित करो नीति

सरकार के आधिकारिक निर्देश के अनुसार, 31 दिसंबर 2024 के बाद भारत में घुसे अवैध बांग्लादेशी या रोहिंग्या अप्रवासियों की पहचान होने पर उन्हें निर्वासन तक होल्डिंग सेंटर में रखा जाएगा। जिलाधिकारियों को तत्काल ऐसे केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु ने 'बंग भवन' में मीडिया से बातचीत में कहा कि पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार के विपरीत, वर्तमान भाजपा सरकार सपैठियों को कोई शरण, आर्थिक मदद, आवास, स्वास्थ्य सुविधा या कानूनी सहायता नहीं देगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य में अवैध अप्रवासन पर केंद्रीय कानूनों का सख्ती से पालन किया जाएगा।

सीएए लाभार्थियों को छूट

वहीं, सरकार ने स्पष्ट किया है कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (CAA) के तहत आने वाले और 31 दिसंबर 2024 से पहले राज्य में प्रवेश कर चुके व्यक्तियों को कानूनी नागरिकता देने पर विचार किया जाएगा। हालांकि, इस दायरे से बाहर पड़ोसी देशों से अवैध रूप से आए लोगों पर निर्वासन की कार्रवाई होगी। वहीं, सरकार के इस फैसले से पूरे प्रदेश में आव्रजन, नागरिकता और मानवाधिकारों को लेकर तीखी राजनीतिक व कानूनी बहस शुरू होने की आशंका है। विपक्षी दलों ने पहले ही इस नीति पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है। बता दें कि चुनाव प्रचार के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी पश्चिम बंगाल में अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया था, जिसे अब भाजपा सरकार अमल में ला रही है।

केंद्रीय अधिसूचना के अनुरूप कार्रवाई

बताया जा रहा है कि यह निर्देश केंद्रीय गृह मंत्रालय की 2 मई 2025 की अधिसूचना के आधार पर जारी किया गया है। सुधार गृहों से रिहा विदेशी नागरिकों को भी आगे की कार्रवाई तक होल्डिंग सेंटर में रखा जाएगा। दोषी पाए गए घुसपैठियों को सीधे बीएसएफ के हवाले कर दिया जाएगा। बीएसएफ बाद में इनकी निर्वासन प्रक्रिया पूरी करेगा।

नदी में सीपियां इकट्ठा करने गए एक ही परिवार के 8 लोगों की मौत

कारवार. कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में थट्टे हक्कलू नदी में तेज बहाव के कारण सीपियां इकट्ठा करने की कोशिश कर रहे एक ही परिवार के आठ सदस्य डूब गए, जिससे उनकी मौत हो गई।

डूबने वाली में सात महिलाएं हैं जबकि दो अन्य लापता हैं। पुलिस सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शिराली गांव के लगभग 14 लोग नदी में सीपियां इकट्ठा करने के लिए उतरे थे। नदी तटों और तटीय क्षेत्रों में रहने वाले स्थानीय समुदायों की यह पारंपरिक गतिविधि है।

पीएम मोदी ने भी हादसे पर गहरा दुख जताया और मुआवजे का ऐलान किया। उन्होंने कहा, "कर्नाटक के कारवार जिले में हुई दुखद घटना के बारे में सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनां हैं। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग शीघ्र स्वस्थ हों।"

ट्रिपल मर्डर केस में 19 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा

भुवनेश्वर. ओडिशा के नबरंगपुर जिले में 2016 के चर्चित तिहरे हत्याकांड और आगजनी मामले में अदालत ने 19 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह मामला करीब 10 साल पुराना है, जिसने उस समय पूरे इलाके में सनसनी फैला दी थी। अदालत ने सुनवाई के दौरान हत्या, आपराधिक साजिश और सबूत मिटाने जैसे गंभीर आरोपों को साबित मानते हुए सभी दोषियों को उम्रकैद की सजा दी। फैसले के बाद पीड़ित परिवार ने अदालत के निर्णय का स्वागत किया और कहा कि उन्हें आखिरकार न्याय मिला है।

साल 2016 में गांव में हिंसक झड़प के दौरान तीन लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। आरोपियों ने वारदात को अंजाम देने के बाद इलाके में आगजनी भी की थी ताकि सबूत नष्ट किए जा सकें। पुलिस जांच में सामने आया था कि पुरानी रंजिश और अंधविश्वास इस घटना की मुख्य वजह थे। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया था और बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात करना पड़ा था। पुलिस ने जांच के दौरान कई लोगों को गिरफ्तार किया और बाद में उनके खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल की गई। मामले की सुनवाई लंबे समय तक चली, जिसमें अभियोजन पक्ष ने प्रत्यक्षदर्शियों और फोरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मजबूत दलीलें पेश कीं।

बलूचिस्तान में रेलवे ट्रैक के पास धमाका, 30 मौतें

- 82 लोग घायल;
- जाफर एक्सप्रेस के कई डिब्बे पटरी से उतरे

क्वेटा. पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा शहर में रविवार को चमन फाटक के पास रेलवे ट्रैक के नजदीक आत्मघाती हमला किया गया, जिसकी चपेट में जाफर एक्सप्रेस आ गई। अधिकारियों के अनुसार, हादसे में 30 लोगों की मौत हो गई, जबकि 82 घायल हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक धमाके के समय ट्रेन क्वेटा कैंट की ओर जा रही थी। विस्फोट इतना जोरदार था कि ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए और इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

धमाके के बाद रेलवे ट्रैक के पास आग लग गई। फायर ब्रिगेड, पुलिस, रेस्क्यू टीम और सुरक्षा बल तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव ऑपरेशन शुरू किया गया।

पुलिस ने बताया कि विस्फोट के असर से आसपास की इमारतों की खिड़कियों के शीशे भी टूट गए। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके को घेर लिया है और धमाके की वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली

बलूचिस्तान सरकार के गृह मामलों के विशेष सहायक बाबर यूसुफजई ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है और सभी सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। उन्होंने लोगों से घटनास्थल के आसपास भीड़ न लगाने की अपील की। फिलहाल किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां इसे आतंकवादी हमला मानकर जांच कर रही हैं।

जाफर एक्सप्रेस पाकिस्तान रेलवे की एक लंबी दूरी की प्रमुख पैसेंजर ट्रेन है। यह ट्रेन बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा को पाकिस्तान के बड़े शहरों से जोड़ती है।

यह बलूचिस्तान समेत कई संवेदनशील इलाकों से होकर गुजरती है। हाल के सालों में बलूचिस्तान में रेलवे ट्रैक, सुरक्षा बलों और सरकारी ठिकानों पर कई बड़े हमले हो चुके हैं।

यह ट्रेन जिन इलाकों से गुजरती है वहां बलूच लिबरेशन आर्मी (BLA) का दबदबा है, इस वजह से इस ट्रेन को कई बार निशाने पर लिया गया है।

छले साल BLA ने जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक कर लिया। तब BLA ने 214 पैसेंजर्स को बंधक बनाने और 30 सैनिकों की हत्या की बात कही थी।

दुनिया के 70 सबसे गर्म शहरों में सभी भारत के

- महाराष्ट्र का ब्रह्मपुरी लगातार दूसरे दिन सबसे गर्म, 47.1°C;
- राजस्थान-UP सहित 7 राज्यों में आंधी-बारिश

नई दिल्ली. दुनिया के 70 सबसे गर्म शहरों में सभी भारत के हैं। प्राइवेट एजेंसी AQI.in के मुताबिक 45°C तामपान के साथ सबसे टॉप पर उत्तर प्रदेश का प्रयागराज है। टॉप 10 में यूपी के 6 शहर हैं, इनमें बांदा, मिर्जापुर, वाराणसी के नाम शामिल हैं। शनिवार को भी टॉप 50 शहरों में 37 भारत के थे। बांदा का तापमान 46.2°C रहा था। इस समय भारत का आधा से ज्यादा हिस्सा तेज धूप और हीटवेव से तप रहा है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र और ओडिशा के कई हिस्सों में तापमान अब भी 45°C पार जा रहा है। शनिवार को महाराष्ट्र के ब्रह्मपुरी का तापमान 47.1°C था। जो लगातार दूसरे दिन देश में सबसे गर्म शहर था।

इधर, तेलंगाना के 7 जिलों में हीटस्ट्रोक के कारण 16 लोगों की मौत हो चुकी है। मौसम विभाग ने आज हैदराबाद, रंगारेड्डी, करीमनगर, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यपेट, मुलुगु, महबूबनगर में 26 मई तक हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। लोगों को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे बाहर न निकलने की सलाह दी गई है।

मीनाक्षी मदन राय बनेंगी पटना HC की पहली महिला चीफ जस्टिस

- SC कॉलेजियम ने की सिफारिश

पटना हाईकोर्ट को नया चीफ जस्टिस मिलने वाला है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने सिक्किम हाई कोर्ट की जज जस्टिस मीनाक्षी एम. राय को इस पद पर नियुक्त करने की सिफारिश की है। यह सिफारिश मौजूदा चीफ जस्टिस के 4 जून को रिटायर होने के कारण की गई है। कॉलेजियम ने बताया कि भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता में 22 मई को बैठक हुई थी। इस बैठक की जानकारी एक आधिकारिक बयान के जरिए दी गई है।

जस्टिस मीनाक्षी मदन राय सिक्किम के न्यायिक इतिहास की महिला जज हैं। उनके पास एक लंबा प्रशासनिक अनुभव है। वह सिक्किम से हाईकोर्ट की जज बनने वाली पहली महिला हैं।

दिल्ली में कानून की पढ़ाई करने से लेकर सिक्किम की सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश और अब पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पद तक का उनका सफर देश की युवा महिला वकीलों के लिए एक बड़ी प्रेरणा है।

जस्टिस मीनाक्षी मदन राय का जन्म 12 जुलाई 1964 को गंगटोक में हुआ था। वह सिक्किम सरकार के पूर्व गृह सचिव स्वर्गीय मदन मोहन रसैली और पूर्व शिक्षिका रबी माला रसैली की बेटी हैं। उनकी शुरुआती पढ़ाई गंगटोक के ताथांगचेन स्कूल और पश्चिम बंगाल के कुर्सियांग स्थित डॉवहिल स्कूल से हुई। इसके बाद उन्होंने गंगटोक के ताशी नामग्याल अकादमी से 1983 में अपनी 12वीं की पढ़ाई पूरी की।

दिल्ली के एलएसआर से की पढ़ाई

उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने दिल्ली का रुख किया। उन्होंने दिल्ली के प्रतिष्ठित लेडी श्री राम कॉलेज (LSR) से राजनीति विज्ञान (ऑनर्स) की डिग्री ली, जिसके लिए उन्हें सिक्किम सरकार की ओर से मेरिट स्कॉलरशिप भी मिली थी। इसके बाद उन्होंने 1989 में दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर (CLC) से एलएलबी (LLB) की डिग्री हासिल की।

गुरिंदरवीर 100m में भारत के सबसे तेज धावक

10.09 सेकेंड में रेस पूरी

बोले- लोग कहते थे भारतीयों में 100 मीटर दौड़ने का जींस नहीं

रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में शनिवार को भारतीय एथलेटिक्स के लिए ऐतिहासिक दिन रहा। पंजाब के 25 साल स्प्रिंटर गुरिंदरवीर सिंह ने एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता में पुरुषों की 100 मीटर दौड़ को महज 10.09 सेकेंड में पूरा किया और नया नेशनल रिकॉर्ड बनाया।

यह रिकॉर्ड इसलिए भी खास है, क्योंकि भारतीय एथलेटिक्स के इतिहास में पहली बार 100 मीटर रेस में 10.10 सेकेंड का मार्क क्रैक हुआ है यानी कि किसी भारतीय एथलीट ने पहली बार 100 मीटर की रेस को 10.10 सेकेंड से कम समय में पूरा किया।

गुरिंदरवीर ने फिनिश लाइन पार करते ही सीने पर लगा बिब नंबर उखाड़ा दिया और जोश में चिल्लाते हुए ट्रैक पर जूते फेंक दिए।

इवेंट के बाद गुरिंदरवीर ने कहा- 'लोग कहते थे कि भारतीयों के पास 100 मीटर के लिए जीन नहीं हैं। मैं सबको गलत साबित करना चाहता था। भारतीय जीन बहुत मजबूत हैं और यह सिर्फ शुरुआत है।'

एशिया के दूसरे सबसे तेज धावक बने

गुरिंदरवीर का यह समय इस सीजन में पूरे एशिया का दूसरा सबसे तेज समय है, जो जापान के फुकुतो कोमुरो (10.08 सेकेंड) से सिर्फ .01 सेकेंड पीछे है। इसके साथ ही उन्होंने 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स के क्वालिफिकेशन मार्क (10.16 सेकेंड) को भी आसानी से पार कर लिया। सीनियर फेडरेशन कप में गुरिंदरवीर ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी अनिमेष कुजूर को चौंकाते हुए पीछे छोड़ दिया।

5 मिनट में 2 बार टूटा नेशनल रिकॉर्ड

यहां पंजाब के गुरिंदरवीर और ओडिशा के अनिमेष के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिले। अनिमेष पिछले साल बनाए गए 10.18 सेकेंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय के साथ प्रतियोगिता में प्रबल दावेदार थे। लेकिन शुक्रवार को पहले दिन 25 वर्षीय गुरिंदरवीर ने शुरुआती सेमीफाइनल हीट में इसे 10.17 सेकेंड तक कम कर दिया। इसके महज 5 मिनट बाद 22 साल के अनिमेष ने दूसरे सेमीफाइनल हीट में 10.15 सेकेंड का समय निकालकर नेशनल रिकॉर्ड वापस हासिल कर लिया। जिसे फाइनल में गुरिंदरवीर एक बार फिर अपने नाम कर लिया।

व्हाइट हाउस के पास फायरिंग

- ट्रम्प मौजूद थे
- सुरक्षाबलों ने संदिग्ध को गोली मारी, मौत;
- ट्रम्प की बेटी को भी हत्या की धमकी मिली थी

वॉशिंगटन डीसी. अमेरिका के वॉशिंगटन डीसी में एक संदिग्ध शख्स ने व्हाइट हाउस के पास करीब 30 राउंड फायरिंग की। भारतीय समयानुसार यह घटना शनिवार रात करीब 3:30 बजे से सुबह 5 बजे के बीच हुई। घटना के समय अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प व्हाइट हाउस के अंदर मौजूद थे।

रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस के पास संदिग्ध हमलावर ने सिक्योरिटी चेकपॉइंट पर गोलियां चलाईं, जहां US सीक्रेट सर्विस के अधिकारी तैनात थे।

अफसरों की जवाबी कार्रवाई में हमलावर को गोली लगी। हॉस्पिटल ले जाने पर उसकी मौत हो गई। युवक की पहचान 21 साल के नासिर बेस्ट के तौर पर हुई है। वह अमेरिका के मैरीलैंड राज्य का रहने वाला था।

इस गोलीबारी में एक आम नागरिक भी गोली लगने से घायल हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि अभी यह साफ नहीं है कि उसे हमलावर की गोली लगी या जवाबी फायरिंग के दौरान चोट पहुंची। घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है।

इस घटना से कुछ दिन पहले ही राष्ट्रपति ट्रम्प की बेटी को भी हत्या की धमकी मिली थी। इस मामले में एक इराकी युवक को गिरफ्तार किया गया था। वह ईरानी सेना से जुड़ा हुआ था। आरोपी के पास इवांका और उनके पति जैरेड कुशनर के फ्लोरिडा स्थित घर का ब्लूप्रिंट यानी नक्शा भी मिला था।

बकरीद पर गाय की कुर्बानी को लेकर असम के मुसलमानों का बड़ा फैसला

गुवाहाटी. पूरे देश में बकरीद को लेकर मुस्लिम समाज के लोग तैयारी में जुट गए हैं। इस अवसर पर बकरे की कुर्बानी दी जाती है। कई जगहों पर गाय की कुर्बानी की भी खबर सामने आती रहती है। इसकी वजह से सामाजिक सौहार्द बिगड़ता रहता है। इस बीच असम के मुसलमानों ने एक खास पहल की है। उनकी इस पहल का असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने स्वागत किया है। असम के होजाई, धुबरी, बोंगाईगांव और उधारबंद सहित कई क्षेत्रों की ईदगाह और कब्रिस्तान कमेटियों ने एक औपचारिक अपील जारी की है। इसमें मुस्लिम समुदाय से बकरीद के दौरान गो-वध (गाय की कुर्बानी) न करने का आग्रह किया गया है। मुख्यमंत्रियों ने इस पहल

की सराहना करते हुए इसे राज्य के सामाजिक-धार्मिक ताने-बाने को मजबूत करने और सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने वाला एक बड़ा कदम बताया।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पर लिखा, ₹मैं असम के बहुसंख्यक सनातन समुदाय की भावनाओं का सम्मान करने के इस प्रयास का स्वागत करता हूं। ऐसे स्वैच्छिक कदम राज्य में शांति और भाईचारे के माहौल को मजबूत करेंगे। मुझे उम्मीद है कि अन्य कमेटियां भी इसी तरह की अपील जारी करेंगी। मैं सभी ईद कमेटियों से आगे आने और इस ईद को 'गो-वध मुक्त' बनाने का आह्वान करता हूं।₹

23 मई 2026 को जारी एक आधिकारिक नोटिस में धुबरी टाउन ईदगाह कमेटी ने राज्य के मौजूदा कानूनों और धार्मिक मान्यताओं का हवाला देते हुए इसे विस्तार से समझाया। कमेटी ने साफ किया कि असम सरकार द्वारा मवेशी संरक्षण अधिनियम लागू किया जा चुका है, जिसके तहत गाय की कुर्बानी देना कानूनी रूप से प्रतिबंधित है। इस नियम का उल्लंघन करने पर गैर जमानती धाराएं लगाई जाएंगी, जिसमें कम से कम 3 साल से लेकर अधिकतम 7 साल तक की जेल और भारी जुर्माने का प्रावधान है।

गाय की कुर्बानी इस्लाम का हिस्सा नहीं

- ऐक्शन में शुभेंदु अधिकारी
- बकरीद पर UP से महाराष्ट्र तक सख्त

नई दिल्ली. अगले सप्ताह दुनियाभर के मुसलमान बकरीद बनाएंगे। इससे पहले सड़कों पर नमाज और कुर्बानी को लेकर विवाद छिड़ गया है। कुछ राजनीतिक दलों के बड़े नेता भले ही खुद को दूर रखे हों, लेकिन यह मामला राजनीतिक रंग लेने लगा है। भाजपा और कांग्रेस जैसे प्रमुख दलों के नेता परोक्ष रूप से इस पर आरोप प्रत्यारोपों के साथ इन हालातों के लिए एक दूसरे को दोषी करार दे रहे हैं। पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजे और आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले इस विवाद के खड़े होने के राजनीतिक मायने भी हैं। इसमें राजनीतिक दलों में ध्रुवीकरण की संभावनाएं भी तलाशी जाने लगी हैं।

पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश व महाराष्ट्र में इस विवाद की सबसे ज्यादा प्रतिक्रिया है। इसकी एक वजह यहां की सरकारों के प्रमुख नेताओं का एक स्पष्ट रुख अपनाना भी है। राजनीतिक हलकों में इस तरह की बयानबाजी और राज्य सरकारों के रुख को अगले साल होने वाले चुनाव से जोड़ कर देखा जा रहा है। इनमें उत्तर प्रदेश के चुनाव प्रमुख हैं, जहां सामाजिक व धार्मिक ध्रुवीकरण की स्थितियां काफी रहती हैं।

भाजपा के एक प्रमुख नेता का कहना है कि इस तरह के विवाद लंबे समय से चल रहे तुष्टिकरण के नतीजे हैं। पिछली कांग्रेस और उसके साथ खड़े दलों की सरकारों ने जिस तरह से मुस्लिम वोट बैंक को साधने के लिए खुलआम कानूनों को ताक पर रखा, उसके कारण ही हालात बने हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस नेता इसे भाजपा की ध्रुवीकरण की राजनीति से जोड़कर देख रहे हैं। उनका आरोप है कि भाजपा की राजनीति ही इस तरह के ध्रुवीकरण पर टिकी है।

बकरीद को लेकर राज्य सरकारों ने तैयारी शुरू कर दी है। दिल्ली सरकार ने पशुओं की गैरकानूनी कुर्बानी पर सख्ती कर दी है। वहीं, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकार का कहना है कि नमाज मस्जिद में होगी। अलग-अलग राज्यों ने क्या फैसले लिए हैं, इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

दिल्ली: गैरकानूनी कुर्बानी की गई तो सख्त कार्रवाई

दिल्ली सरकार ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि गैरकानूनी ढंग से पशुओं की कुर्बानी और कचरा प्रबंधन में लापरवाही पर सख्ती कार्रवाई होगी। राज्य सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी का मामला सामने आने के बाद आरोपियों पर सख्त कार्रवाई होगी।

अब राज्यसभा में भी एंट्री लेगी थलापति की TVK

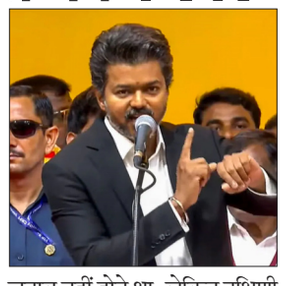

चेन्नई. तमिलनाडु में ऐतिहासिक जीत हासिल करने के बाद सत्ता में बैठे विजय थलापति की पार्टी तमिलझा वेत्री कड़गण (TVK) अब राज्यसभा में एंट्री लेने जा रही है। निर्वाचन आयोग की तरफ से उच्च सदन की 26 सीटों पर चुनाव का ऐलान किए जाने के बाद यह स्पष्ट हो गया कि टीवीके अब जल्दी ही राज्यसभा में एंट्री लेने वाली है। बता दें, जिन राज्यों में राज्यसभा चुनाव होने वाले हैं, उनमें आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और गुजरात की चार-चार सीटें, मध्य प्रदेश, राजस्थान की तीन-तीन सीटें और झारखंड की दो सीटों पर चुनाव होंगे। इसके अलावा मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश में एक-एक सीट पर होंगे।

तमिलनाडु और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में वैसे तो इस वर्ष राज्यसभा चुनाव नहीं होने था, लेकिन दक्षिणी राज्य में एआईएडीएमके के राज्यसभा सांसद और महाराष्ट्र में उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के इस्तीफे के बाद यह सीटें खाली हो गई हैं। इसलिए इन पर उपचुनाव होगा। हालांकि, इन सीटों पर जो भी प्रत्याशी जीतकर आएगा उसका कार्यकाल केवल दो वर्ष का होगा। हालिया विधानसभा चुनाव जीतकर आई टीवीके के लिए यह राज्यसभा में एंट्री लेने का बेहतरीन मौका है।

संक्षेप...

गावदेवी सब्जी मंडी में लगी भीषण आग की पूरी जांच हो

ठाणे. शिवसेना नेता व पूर्व सांसद राजन विचारे ने मांग की है कि ठाणे शहर के ऐतिहासिक गावदेवी सब्जी मंडी में आधी रात को लगी भीषण आग की पूरी और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। यह आग में किस वजह से लगी या किसने जानबूझकर लगाई? विचारे ने आज साफ किया कि पुलिस और संबंधित एजेंसियों को इसकी पूरी जांच करनी चाहिए।पूर्व सांसद विचारे व जिला प्रमुख केदार दिघे गावदेवी सब्जी मंडी में मौके पर पहुंचे और उसका मुआयना किया। इस समय, उन्होंने चश्मदीदों और ज़मीन मालिकों से बातचीत की ताकि आग कैसे लगी, इसकी पूरी जानकारी मिल सके। ज़मीन मालिकों से बातचीत में लगा कि कुछ लोग इस गावदेवी सब्ज़ी मार्केट को दूसरी जगह शिफ्ट करके इस जगह पर नई बिल्डिंग बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसकी जांच होनी चाहिए।

मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर परिसर का होगा बड़ा मेकओवर

मुंबई. मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट द्वारा प्रभादेवी इलाके में बड़े स्तर पर ब्यूटीफिकेशन प्रोजेक्ट शुरू किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्घाटन 25 मई 2026 को शाम 6 बजे मंदिर परिसर के पास किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत कई वरिष्ठ मंत्री और गणमान्य व्यक्तियों के शामिल होने की संभावना है। उद्घाटन समारोह मंदिर परिसर के सिद्धा प्रवेश द्वार के पास स्थित मैदान में आयोजित किया जाएगा। यह परियोजना मुंबई महानगरपालिका (BMC) और सिद्धिविनायक ट्रस्ट के संयुक्त प्रयास से तैयार की जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूरे प्रोजेक्ट

की अनुमानित लागत करीब 493 करोड़ बताई गई है, जबकि पहले चरण में लगभग 78 करोड़ के विकास कार्य किए जाएंगे।

पहले चरण में मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों का सुंदरीकरण, संगमरमर क्लैडिंग, प्रवेश द्वारों का पुनर्निर्माण, फुटपाथ सुधार, पार्किंग सुविधा और भक्तों के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके अलावा भूमिगत पार्किंग और भीड़ प्रबंधन व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

सिद्धिविनायक मंदिर मुंबई के सबसे लोकप्रिय धार्मिक स्थलों में से एक माना जाता है, जहां हर दिन हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। त्योहारों और विशेष अवसरों पर यहां भारी भीड़ उमड़ती है। प्रशासन का कहना है कि ब्यूटीफिकेशन प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद भक्तों को अधिक व्यवस्थित और सुविधाजनक दर्शन व्यवस्था मिलेगी।

मंदिर ट्रस्ट ने मीडिया और श्रद्धालुओं को उद्घाटन समारोह में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया है। यह प्रोजेक्ट प्रभादेवी इलाके की पहचान और धार्मिक पर्यटन को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है।

दादर स्टेशन से AC रिंग रूट बस सेवा

रिपोर्ट्स के अनुसार, मंदिर तक पहुंचने वाले रास्तों का चौड़ीकरण, श्रद्धालुओं के लिए अलग प्रवेश और निकास मार्ग, अत्याधुनिक शौचालय और प्रतीक्षा क्षेत्र जैसी सुविधाएं भी इस परियोजना का हिस्सा होंगी। मेट्रो स्टेशन और दादर रेलवे स्टेशन से आने वाले भक्तों के लिए कनेक्टिविटी बेहतर बनाने की भी योजना है। हाल ही में BEST ने दादर स्टेशन से सिद्धिविनायक मंदिर तक नई AC रिंग रूट बस सेवा भी शुरू की है, जिससे श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचने में अधिक सुविधा मिलेगी।

TCS नासिक केस में SIT ने दाखिल की 1500 पन्नों की पहली चार्जशीट

निदा खान समेत इनके खिलाफ मिले सबूत

नासिक. टीसीएस नासिक केस में महाराष्ट्र SIT ने 1500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल कर दी है। यह चार्जशीट नासिक रोड के सेशंस जज केदार जोशी की विशेष अदालत में दाखिल दी गई है।

यह चार आरोपियों के खिलाफ दर्ज TCS के पहले यौन उत्पीड़न और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के मामले से जुड़ी जांच की चार्जशीट है।अब तक की जांच के आधार पर, पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धाराओं 61(2) [आपराधिक साजिश में शामिल होना], 64 (बलात्कार), 68 (अधिकार प्राप्त व्यक्ति द्वारा यौन संबंध बनाना), 69 (धोखे से या शादी का झूठा वादा करके यौन संबंध बनाना), 75 (यौन उत्पीड़न), 46 (उकसाना), 299 (धार्मिक भावनाओं को आहत करने के इरादे से जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कार्य करना), 238 (अपराध के सबूत मिटाना, या अपराधी को बचाने के लिए झूठी जानकारी देना), 249 (अपराधी को पनाह देना), और 3(5) [सामान्य इरादा] के तहत आरोप लगाए हैं। इसके अलावा, 26 मार्च को देवलाली कैंप पुलिस स्टेशन में TCS की एक महिला कर्मचारी की शिकायत के आधार पर दर्ज FIR से संबंधित चार्जशीट में, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत भी प्रासंगिक आरोप लगाए गए हैं।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि पुलिस ने पीड़ित से वे दस्तावेज भी जब्त किए हैं, जिन्हें आरोपी के उसका नाम बदलने के खातिर लिए थे। चार्जशीट में अन्य सबूतों के तौर पर घटनास्थल का पंचनामा, आरोपी के बैंक स्टेटमेंट, जाति प्रमाण पत्र, अपराध में इस्तेमाल किया गया वाहन और पहचान परेड शामिल हैं।

17 गवाहों के बयान दर्ज

SIT का नेतृत्व कर रहे सहायक पुलिस कमिश्नर (अपराध) संदीप मितके ने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 183 के तहत न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के समक्ष 17 गवाहों के बयान दर्ज किए गए। चार्जशीट में पीड़ित और आरोपियों की मेडिकल जांच रिपोर्ट के अलावा, पीड़ित के जबरन धर्मांतरण और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के सबूत भी शामिल हैं।

विदेशी हथियारों के साथ 3 गिरफ्तार; 45 जिंदा कारतूस बरामद

मुंबई. मुंबई क्राइम ब्रांच ने अवैध हथियार तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से विदेशी निर्मित हथियार और 45 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इस कार्रवाई को शहर में संगठित अपराध और अवैध हथियार नेटवर्क के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, मुंबई क्राइम ब्रांच को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग शहर में अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले हैं। इसके बाद पुलिस टीम ने जाल

बिछाकर संदिग्धों को पकड़ा। तलाशी के दौरान उनके पास से विदेशी पिस्टल और बड़ी मात्रा में जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

पुलिस के अनुसार, बरामद हथियार अत्याधुनिक और विदेशी कंपनी के बताए जा रहे हैं। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि ये हथियार मुंबई तक कैसे पहुंचे और इसके पीछे कौन-सा नेटवर्क सक्रिय है।

गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपियों के संबंध किसी गैंग या संगठित अपराध सिंडिकेट से तो नहीं हैं। शुरुआती जांच में यह मामला अंतरराज्यीय हथियार तस्करी नेटवर्क से जुड़ा होने की आशंका जताई जा रही है।

मुंबई पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ Arms Act और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। बरामद हथियारों को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इनका इस्तेमाल पहले किसी अपराध में हुआ था या नहीं।

फाइल निपटाते हुए ट्रेन से शिर्डी पहुंचे मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस

मुंबई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ईंधन बचत करने की अपील पर प्रतिसाद देते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मुंबई से अहिल्यानगर के शिर्डी तक सरकारी विमान के बजाय ट्रेन में सफर किया। शनिवार को मुख्यमंत्री छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से वंदेभारत ट्रेन में यात्रा करते हुए साईनगर शिर्डी रेलवे स्टेशन पहुंचे।

सफर के दौरान मुख्यमंत्री ने पहले अखबार पढ़ा। इसके बाद

उन्होंने फाइलों का निपटाया। मुख्यमंत्री के बगल के सीट पर बैठे अफसर उन्हें फाइलें देते गए और मुख्यमंत्री पढ़ने के बाद उस पर हस्ताक्षर करते गए।

इससे पहले बीते 14 मई को मुख्यमंत्री ने अपने सरकारी आवास वर्षा से विधान भवन और फिर उसके बाद मंत्रालय तक बुलेट पर सफर किया था। मुख्यमंत्री ने अपने काफिले के वाहनों की संख्या घटाकर आधी कर दी है। वहीं राज्य सरकार के कई मंत्री पेट्रोल के बजाय इलेक्ट्रिक वाहन का इस्तेमाल कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया संकट के बीच प्रधानमंत्री पेट्रोल और डीजल का इस्तेमाल कम करने की अपील देशवासियों से की है।

शिर्डी पहुंचने पर पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा ट्रेन में सफर बहुत बेहतर था। मेरा अच्छा अनुभव रहा। कई लोगों से मुलाकात हुई। सफर के दौरान फाइलों को भी निपटाया। इसलिए मेरी यात्रा एकदम लाभदायी रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित देशों में जिस तरह की ट्रेन हैं। उसी तरह वंदेभारत ट्रेन है।

पानी की आपूर्ति में रोजाना 10% कटौती

नागरिकों से पानी बचाने की अपील

ठाणे. मनपा ने जानकारी दी है कि बृहन्मुंबई मनपा द्वारा जलाशयों में पानी का स्तर अत्यंत कम होने के कारण 15 मई 2026 से 10 प्रतिशत पानी कटौती लागू की गई है। इसके तहत ठाणे शहर के उन क्षेत्रों में, जहां बृहन्मुंबई मनपा के माध्यम से जलापूर्ति होती है, प्रतिदिन 10 प्रतिशत पानी की कटौती प्रभावी रूप से लागू रहेगी। इस संबंध में ठाणे मनपा को निर्देश दिए गए हैं कि नागरिकों को पानी का उपयोग संयमित ढंग से करने और जल संरक्षण के उपायों के बारे

में जागरूक किया जाए।मनपा के अनुसार नौपाड़ा-कोपरी प्रभाग समिति अंतर्गत हजुरी, लुईसवाड़ी, नामदेववाड़ी, आनंदनगर, गावदेवी जलकुंभ, टेंभी बंगला जलकुंभ, कोपरी धोबीघाट, कन्हैया नगर जलकुंभ, कोपरी, नौपाड़ा और पाचपाखाडी क्षेत्रों में यह कटौती लागू होगी। वहीं लोकमान्य सावरकरनगर प्रभाग समिति क्षेत्र के साईनाथ नगर, रामचंद्र नगर, जिजामाता नगर, ज्ञानेश्वर नगर, करवालो नगर और इंदिरानगर में भी पानी आपूर्ति प्रभावित रहेगी। इसके अलावा वागले प्रभाग समिति क्षेत्र के किसननगर 1 व 2, शिवाजीनगर, पडवलनगर, भटवाडी और अंबिका नगर, तथा माजीवाडा-मानपाडा प्रभाग समिति क्षेत्र के बालकुम पाड़ा 1 व 2, लक्ष्मी नगर, आंबेडकर नगर और गांधीनगर में भी प्रतिदिन 10 प्रतिशत पानी कटौती अगले आदेश तक जारी रहेगी।मनपा ने नागरिकों से पानी का उपयोग सावधानीपूर्वक करने और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है।

करोड़ों की संपत्ति सहित आपराधिक प्रकरण की हो जांच

भिवंडी सपा विधायक रईस शेख की राज्यपाल, मुख्यमंत्री से शिकायत

भिवंडी. समाजवादी पार्टी भिवंडी शहर जिला सचिव हमीद शेख ने भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विधायक रईस कासम शेख के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. प्रदेश के महामहिम राज्यपाल, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, विधानसभा अध्यक्ष सहित मुख्य सचिव आदि को लिखित शिकायत पत्र भेजकर सपा विधायक के खिलाफ उच्चस्तरीय जांच की मांग की है.

गौरतलब हो कि, सपा नेता हमीद शेख के शिकायत पत्र में विधायक रईस कासम शेख द्वारा वर्ष 2019 और 2024 के विधानसभा चुनावों में चुनाव आयोग को सौंपे गए शपथपत्रों का हवाला देते हुए गंभीर सवाल उठाए गए हैं. आरोप है कि, वर्ष 2019 के चुनावी हलफनामे में विधायक ने अपने खिलाफ केवल एक आपराधिक मामला लंबित बताया था, जबकि 2024 के शपथपत्र में ऐसे मामलों की संख्या बढ़कर 4 हो गई है. इसे लेकर पार्टी के अंदर ही

हमीद शेख सचिव-भिवंडी शहर

रईस कासम शेख विधायक- भिवंडी पूर्व

असंतोष खुलकर सामने आने लगा है. विधायक की संपत्ति में हुई बेतहाशा वृद्धि को लेकर भी सवाल खड़े हुए हैं. आरोप है कि, मात्र 7 वर्षों में ही रईस शेख ने भिवंडी सपा विधायक रहकर करोड़ों की बेनामी प्रापर्टी बनाई है.विधानसभा परिक्षेत्र अंतर्गत शुरू तमाम आलीशान बिल्डिंगों के निर्माणों में विधायक की अघोषित हिस्सेदारी बताई जाती है.

हमीद शेख ने पत्र में मांग की है कि विधायक शेख और उनके परिवार की संपत्तियों के स्त्रोतों की आर्थिक अपराध शाखा (EOW), ईडी आदि सक्षम एजेंसियों से उच्चस्तरीय जांच कराई जाए.सूत्रों के अनुसार, भिवंडी से करीब 10 से 12 जनप्रतिनिधियों ने भी विधायक रईस शेख के खिलाफ उच्चस्तरीय जांच की मांग की है.सपा पदाधिकारी हमीद शेख ने अपने शिकायत पत्र में कहा है कि,उक्त शिकायत किसी व्यक्तिगत या राजनीतिक द्वेष से प्रेरित नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता और कानून के समान पालन की भावना से की गई है.उनकी मांग है कि, चुनाव आयोग को दिए गए शपथपत्रों में दर्ज मामलों और संपत्ति वृद्धि की विस्तृत जांच कर रिपोर्ट जनता के समक्ष सार्वजनिक की जाए. राजनीतिक रणनीतिकारों का मानना है कि, यदि विधायक की शासन स्तर पर जांच शुरू हुई तो आगामी दिनों में महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा भूचाल आने के आसार दिखाई पड़ने लगे है.

ऐश ने फिर दिखाया जलवा

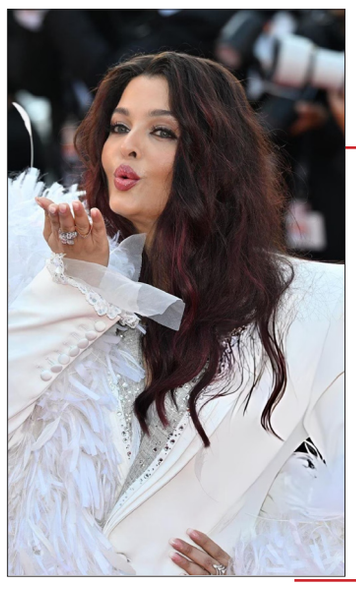

बॉस लेडी लुक में नजर आईं बच्चन परिवार की बहू

बच्चन परिवार की बहूरानी ऐश्वर्या राय का कान फिल्म फेस्टिवल 2026 से नया लुक सामने आ गया है। ऐश्वर्या राय रेड कार्पेट पर बॉस लेडी अवतार में नजर आईं। सोशल मीडिया पर ये तस्वीरें जंगल की आग जैसे वायरल हो चुकी हैं और कमेंट सेक्शन में फैंस तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे।

ऐश्वर्या राय ने बेबी पिंक कलर के पैंटसूट में फिर से रेड कार्पेट पर लोगों का ध्यान खींचा। सोशल मीडिया पर लोग ऐश्वर्या राय के लुक को कान 2026 में नजर आया अभी तक का सबसे बेहतरीन आउटफिट बता रहे हैं।

किसी ने ऐश्वर्या राय को Cannes की रानी कहा है तो किसी ने लिखा- शी इज बैक। इससे पहले ऐश्वर्या राय बच्चन ने हाल ही में अमित अग्रवाल द्वारा डिजाइन किए गए गहरे नीले रंग के गाउन में सबको दीवाना कर दिया था।

जलपरी से प्रेरित था लुक

मरमेड लुक से इंस्पायर्ड वो ड्रेस बेहद खूबसूरत थी, जिसके साथ एक फ्लोइंग दुपट्टा भी था। लेकिन आज हम ऐश्वर्या के दूसरे लुक की बात करेंगे। किसने सोचा था कि बॉलीवुड की 'कजरारे गर्ल' एक पैंटसूट आउटफिट में लोगों को दीवाना बना सकती हैं।

ऐश्वर्या का आउटफिट

ऐश्वर्या राय के इस नए लुक में सिल्वर कलर की लाइनिंग और सीक्वेंस से सजा एक मल्टी लेयर पैटर्न था, जिसे खूबसूरत बटन्स से सजाया गया था। उसके नीचे ऐश्वर्या ने डीप नेक टॉप पहना था जो उनके इस अवतार में एक्स्ट्रा ग्लैमर ऐड कर रहा था।

रिंग्स और हेयर स्टाइल

ऐश्वर्या राय बच्चन ने इस आउटफिट के साथ अपने हाथ में सिल्वर कलर की कुछ खूबसूरत अंगूठियां पहनी थीं जिन पर डायमंड जड़े थे। बालों को उन्होंने बरगंडी कलर किया था और इन्हें हवा में झूलने के लिए खुला छोड़ा था।

ऐश्वर्या की एंट्री के साथ ही रेड कार्पेट के इर्द-गिर्द फोटोग्राफर्स की लाइन लग गई। स्मोकी आईज और बोल्ड ड्यूल-टोन्ड लिप्स ने उनके लुक को कम्प्लीट किया। लोगों का ध्यान उनकी डायमंड रिंग्स पर भी गया।

टिटवाला में अनधिकृत चालियों के खिलाफ कडोंमपा की तोड़क कार्रवाई

महिला पुलिस अधिकारी पर जानलेवा हमला

5 महिलाओं पर केस दर्ज किया गया

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका के अधिकार क्षेत्र में टिटवाला ए वार्ड के बालयानी खजूरी नगर इलाके में JCB के सामने रोड़ा अटका रही महिलाओं को जब हटाया जा रहा था, तो गुस्साई महिलाओं ने असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर सरला काले के बाल पकड़कर उन्हें जमीन पर गिरा दिया। उन्होंने उनके साथ गाली-गलौज की, डंडों से पीटा, उनके हाथ-पैर दांतों से काटे और नाखूनों से खरोंचकर उन्हें गंभीर चोटें पहुंचाईं। इसी तरह इन महिलाओं ने दूसरी महिला पुलिस अधिकारियों और अतिक्रमण कंट्रोल टीम के साथ भी गाली-गलौज की और सरकारी काम में रुकावट डाली, इसकी शिकायत नगर निगम अधिकारी ने टिटवाला पुलिस

स्टेशन में की है।

घायल असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर सरला काले टिटवाला पुलिस स्टेशन में काम करती हैं। महानगर पालिका A वार्ड के सुपरिटेंडेंट शंकर जाधव ने पुलिस स्टेशन में दी शिकायत में कहा है कि प्रशासन ने शुक्रवार को टिटवाला बाल्यानी खजूरी नगर इलाके में अवैध चॉल को गिराने का फैसला किया था। एडिशनल कमिश्नर योगेश गोडसे और डिप्टी कमिश्नर प्रसाद बोरकर के गाइडेंस में वार्डों के असिस्टेंट कमिश्नरों ने इस तोड़-फोड़ की कार्रवाई में हिस्सा लिया।

शुक्रवार सुबह 11:30 बजे, पुलिस एस्कॉर्ट में पांच JCB और तोड़-फोड़ करने वाले लोग बाल्यानी खुजरी नगर इलाके में गैर-कानूनी चॉल को गिराने पहुंचे। उस समय, वहां कुछ महिलाओं ने JCB का रास्ता रोक दिया। एस्कॉर्ट में मौजूद महिला पुलिस ऑफिसर सरला काले और दूसरी महिला कांस्टेबलों ने समझदारी से सड़क रोक रही महिलाओं को धक्का देकर किनारे कर दिया। इस समय, गुस्साई महिलाओं ने अचानक आक्रामक रुख अपना लिया। उन्होंने असिस्टेंट इंस्पेक्टर काले के बाल पकड़कर उन्हें जमीन पर गिरा दिया। महिलाओं ने गाली-गलौज करते हुए उनके पैर और हाथ काटे। दूसरी महिला पुलिस ऑफिसरों ने इन महिलाओं को धक्का देकर किनारे कर दिया। इन महिलाओं को हटाने के बाद JCB का रास्ता साफ हो गया। इसके बाद टीम ने बलियानी के खजूरी नगर इलाके में गैर-कानूनी चॉल को गिराने का ऑपरेशन शुरू किया। जिन महिलाओं पर केस दर्ज किया गया है, उनके नाम रुबीना मोहम्मद शफीक खान (42), उनकी दो बेटियां मोहम्मद शफीक खान (23), शाहिना मोहम्मद शफीक खान (21), सरफुन शेख, शाहीन कासिम खान हैं।

उल्हास वि NEWS LIVE FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play

GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play

Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक उल्हास विकास

सब पे नजर, सबकी खबर Since 1985

Late Shri. ASHOK U. BODHA 18-02-1945 to 19-12-2017

www.ulhasvikas.com epaper.ulhasvikas.com

Chief Editor Hero Ashok Bodha L.L.B., BMM, MA (PS)

सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के खिलाफ लिया एक्शन

ठाणे. मनपा क्षेत्र के अंतर्गत में सिंगल-यूज़ प्लास्टिक पर बैन को असरदार तरीके से लागू करने के लिए पर्यावरण विभाग ने विशेष अभियान चलाया। 1 अप्रैल से 15 मई के दौरान प्रभाग समिति के तहत से घन कचरा,अतिक्रमण और पर्यावरण विभाग ने मिलकर अभियान चलाया, 79 kg प्लास्टिक ज़ब्त किया गया और 80,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया।इस अभियान के दौरान कुल 157 जगहों का इंस्पेक्शन किया गया और करीब 79 kg प्लास्टिक ज़ब्त किया गया। साथ ही, नियमों का उल्लंघन करने वालों पर 80,500 रुपये का जुर्माना लगाया या।मोबाईल फोन पर पर्यावरण संरक्षण पर बातचीत के दौरान मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान से चल रहे विकास कार्य पर बताया कि 99 बिल्डरों पर पर्यावरण के नियमों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई किया गया है। साथ ही दिन में चलने वाले डंपरों पर कड़ी कार्रवाई के लिए आरटीओ अधिकारी से बातचीत करने की बात कही।इसके अलावा, एयर पॉल्यूशन कंट्रोल गाइडलाइंस के मुताबिक, 21 मई को स्वच्छ विजिलेंस कमेटी ने अलग-अलग कंस्ट्रक्शन साइट्स का इंस्पेक्शन किया। प्रशासन ने यह भी कहा कि कलवा प्रभाग समिति इलाके में हाईवे के किनारे लगाए गए रडार पोस्ट का इंस्पेक्शन किया गया है और ज़रूरी कदम सुझाए गए हैं।सिंगल-यूज़ प्लास्टिक बैन कैंपेन को असरदार तरीके से लागू करने के लिए, सेंट्रल और महाराष्ट्र पर्यावरण विभाग ने लोकल बॉडीज़ को हर महीने यह अभियान लागू करने का निर्देश दिया है। साथ ही, इंस्पेक्शन की सेंसिटिविटी को ध्यान में रखते हुए, किसी भी अनहोनी से बचने के लिए इंस्पेक्शन टीम को पुलिस प्रोटेक्शन समेत सभी एडमिनिस्ट्रेटिव मदद देने का निर्देश दिया गया है।

कलवा में 4 कारों में अज्ञात लोगों ने किया तोड़फोड़

ठाणे. पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत कलवा पुलिस स्टेशन में अलाना कंपनी के पास खड़ी दस चार पहिया वाहनों में तोड़फोड़ की घटना शुक्रवार सुबह सामने आई। इस संबंध में कलवा पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध तोड़फोड़ का मामला दर्ज किया गया है।गुरुवार की आधी रात के बाद से शराबी और नशे में धुत लोगों की आवाजाही में काफी वृद्धि हुई है। नागरिकों का आरोप है कि लोग अक्सर सार्वजनिक स्थानों पर बैठकर हंगामा कर शोरगुल मचाते हैं और सड़कों के किनारे खड़ी वाहनों को नुकसान पहुंचाते हैं। पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं और स्थानीय लोगों ने बताया कि यह वाहनों में तोड़फोड़ की लगातार तीसरी घटना है। नागरिकों ने इस क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाने, पुलिस चौकियों को खोलने और रात्रि गश्त बढ़ाने की बार-बार मांग की है। अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाने से निवासियों में असंतोष व्याप्त हैं। घटना के बाद वाहन मालिकों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और संदिग्धों को पकड़ने का काम जारी है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099